जय जय महाश्रमण

नारीलोक

अध्यक्षीय कार्यालय :
श्रीमती कुमुद कच्छारा
अम्हेर ज्वेलरी, ऑफिस नं. 6
लक्ष्मी भुवन, आनन्दजी लेन
रसिकलाल ज्वेलर्स के सामने
एम.जी. रोड़, घाटकोपर (ई)
मुम्बई – 77
मो. : 9833237907
e-mail : kumud.abtmm@gmail.com

अंक 254 | पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान) | अगस्त 2019

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

महाश्रमण गुरुवर सन्निधि पा जीवन सरसाओ।
फूलों सी तुम हो बालाओं! सद्गुण महक बढ़ाओ।।
शुभ भविष्य के नव सिंचन का, आया अनुपम अवसर।
जागो! जागो! कन्याओं तुम! पा सम्बोध शुभंकर।।

15 वां राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन 2019 बैंगलोर
संबोध
संघीय संस्कारों का
5, 6, 7 अगस्त

अध्यक्षीय

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

मन के कल्मष धो डालें हम, मैत्री का स्वर गुनगुनाएं
है स्वतंत्र भारत के नागरिक, असली आजादी अपनाएं

प्रिय बहनों,

सादर जय जिनेन्द्र।

अगस्त माह आया लेकर पर्वों का उपहार।
एक-एक यह पर्व सुहाना मानो मुक्ताहार।।

तोड़ सकल बंधन कर्मों के पार्श्व प्रभु ने मुक्ति पाई।
प्रभु पार्श्व निर्वाण दिवस पर करें एक तप हम शिवदाई।।

आत्म सुरक्षा हो विषयों से, टूटेंगे कर्मों के बंधन।
बहन-भाई के अमर प्रेम का, पर्व अनूठा रक्षाबंधन।।

तोड़ दासता जब सदियों की भारत ने आजादी पाई।
पन्द्रह अगस्त को गूंज उठी तब राष्ट्र पर्व की शहनाई।।

जन्माष्टमी का पर्व कृष्ण की गौरव गाथा गाता।
पर्व पर्यूषण क्षमादान का नंदी घोष सुनाता।।

हम स्वतंत्र भारत के सैनानी है। हर वर्ष आजादी का जश्न मनाते हैं मगर समझ नहीं पाते कि असली आजादी क्या है और आजादी की मूल्यवत्ता क्या है। स्वतंत्रता हमारा स्वभाव है। हम जब भी स्वभाव से हटते हैं, विभावों की भीड़ हमारे इर्द-गिर्द समस्याओं को खड़ा कर देती है और तब हम स्वतंत्रता के सही मायने भूल जाते हैं। देश की आजादी के लगभग सात दशक बाद बहुत कुछ बदला मगर चेहरा बदल कर भी दिल नहीं बदल पाया। एक समय था जब आदर्शों के लिए लोग जीवन के सारे सुख और स्वार्थ दाँव पर चढ़ा देते थे और एक समय अब है कि अपने सुख और स्वार्थों के लिए सभी आदर्श दाँव पर चढ़ जाते हैं। स्वतंत्रता के पश्चात् भारत में विकास की रफ्तार तो तेज हुई, इसके कर्तृत्व को विश्व के बीच नई पहचान भी मिली किन्तु इस बाहरी प्रतिस्पर्धा की दौड़ में सुख, शांति, मैत्री एवं मानवीय संवेदना जैसे खो-सी गई। उजालों की खोज में घर के जलते दीप की रोशनी भी मानो मंद-सी पडने लगी। गांधीजी ने सत्य की कसौटी पर स्वयं की कुर्बानी दी तो आजाद भारत का मानचित्र बना और आचार्य भिक्षु ने त्याग व तपोबल से जीवन की कुर्बानी दी तो उनका संकल्प तेरापंथ बन गया। वस्तुतः स्वतंत्रता का मौलिक अर्थ है विवेक, चिन्तन और कर्म की सत्ता की स्वीकृति। मगर हमने उन्हें मूढ़ता का मुखौटा पहना दिया। आज स्वच्छंदता, स्वतंत्रता का पर्याय बन गई। हमारी मनोवृत्ति बन गई कि हमारा मन चाहे वही किया जाए, क्योंकि अब कौन रोक सकेगा हमारे बढ़ते कदमों को।

बहनों ! हमें समझना है कि आज राजनैतिक एवं सामाजिक स्वतंत्रता से भी सर्वोपरि है वैयक्तिक स्वतंत्रता। भगवान महावीर ने सदियों पहले आत्म स्वातंत्र्य की उद्घोषणा की। जैन दर्शन की अवधारणा है कि प्रत्येक व्यक्ति पुरुषार्थ के द्वारा अपने किए हुए कर्मों की शुभ-अशुभ सीमाओं को घटाने बढ़ाने के लिए स्वतंत्र है। क्योंकि कर्म सिद्धांत की मुख्य प्रेरणा है कि हम उपादान को मजबूत करें और निमित्तों को ढीला छोडें तभी सच्ची स्वतंत्रता के हकदार बन सकेंगे। व्यक्ति अपने भाग्य का स्वयं विधाता है। शुभ-अशुभ कर्मों का स्वयं जिम्मेदार है। जब उसमें आत्म बोध का

अध्यक्षीय

पहला स्वर उभरता है कि ''मैं बंधनों में बंधा हूँ'' तब उसका पहला प्रयत्न होता है आवरण की परतों को हटाने का और यही है सम्यग् दर्शन की यात्रा में उठा पहला कदम। बहनों, हम सभी जानते हैं कि आत्म स्वातंत्र्य हमारा पहला और अंतिम लक्ष्य है। जब तक आत्मा कर्मों से मुक्त नहीं हो जाती तब तक हमें लक्षित मंजिल नहीं मिलती। जानते हुए भी हम इस संदेश को भीतरी मन तक नहीं पहुँचा पाते है। क्योंकि हम अभी तक वृत्तियों के दास है। जब तक वृत्तियों की दासता से मुक्त नहीं होंगे तब तक असली आजादी नहीं मिलेगी। आजादी का सही अर्थ है स्वयं द्वारा स्वयं की पहचान, सुप्त शक्तियों का जागरण और वर्तमान क्षण में जीने का अभ्यास।

बहनों, असली आजादी को जानने, समझने व अपनाने का सर्वोत्कृष्ट समय है ''चातुर्मास''। चातुर्मास में भी पर्युषण का समय मन के कल्मष को धोकर मैत्री के स्वर गुनगुनाने का स्वर्णिम अवसर है। कम से कम इन आठ दिनों में हम आत्म विश्लेषण करें कि मैं कहाँ गलत हूँ, कहाँ सही तथा मैं औरों की मजबूरियों का किस सीमा तक गलत फायदा उठाती रही हूँ। मेरे कारण कहीं आपसी संबंधों के बीच दरारें तो नहीं पड़ रही है? मैं निजी स्वार्थ की पूर्ति में कहीं औरों के अस्तित्व को तो नष्ट नहीं कर रही हूँ? सत्ता, शक्ति, अधिकार और न्याय का कहीं अनुचित उपयोग तो नहीं किया। बहनों, सच कहूं तो बहुत ही मुश्किल है इस प्रकार का चिंतन करना मगर नामुमकिन भी नहीं है इन विभागों की दीवारों से बाहर आना। बहुत आसान है स्वयं को बदलने के लिए संकल्प के साथ बाहर आ जाना और क्रोध को क्षमा से, अभिमान को मृदुता से, माया को ऋजुता से और लोभ को संतोष से जीत लेना।

अभी-अभी चारों ओर चुनाव/मनाव का दौर चला। इस प्रक्रिया के दौरान कहीं न कहीं जाने-अनजाने, चाहते-अनचाहते, प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से हमारे भीतर में राग-द्वेष, अहंकार, स्वार्थ, ईर्ष्या आदि की भावना आई होगी। हम प्रयास करें अपने आपको बदलने का। हम सोचें इस बार परम पूज्य गुरुदेव के चातुर्मास में या आने वाले चातुर्मास के लिए अध्यक्ष/मंत्री के अधिकार नहीं मिले तो क्या हो गया, एक श्रावक कार्यकर्ता के समस्त अधिकार हमारे पास आजीवन आरक्षित है। हम उसका उपयोग करके संस्था, समाज व संघ में सेवा देने की भावना को पुष्ट करें। पद के योग्य अवश्य बनें पर उम्मीदवार नहीं। यदि हमारे भीतर योग्यता होगी तो आज नहीं तो कल पद हमारे चरण चूमेगा। आगे आने के लिए जल्दबाजी न करें। अपनी योग्यता पर भरोसा करते हुए निःस्वार्थ भाव से आगे बढ़ते जाए। बहनों ! मैत्री, क्षमा, सहिष्णुता और धैर्य जैसे गुण ओढ़े नहीं जाते। यह हमारी निजी सम्पदा है, हमारा अपना स्वभाव है। अलविदा तो उन विभावों को कहना है जो मूर्च्छा और अज्ञानता में हमारे 'स्व' को गुलाम बनाए हुए हैं।

प्रिय बहनों ! इस बार मैत्री पर्व पर यह विशेष प्रयोग करके देखें कि जिनके प्रति हमारे में तनिक मात्र भी राग द्वेष की भावना आई है तो उनसे शुद्ध अन्तःकरण से क्षमायाचना कर भीतर के कल्मष को धो डालें। क्योंकि मैत्री का धागा टूटता है आपसी समझ के अभाव में। औरों की कही बातों पर व्यक्ति के संदर्भ में धारणाएं बना लेना, अपने नजरिए के पेरामीटर से मापने का आग्रह करना आधी-अधूरी सच्चाई को पाना है। सच तो यह है कि ऐसे कितने उदारमना और करूणाशील लोग होंगे जो आपसी सामंजस्य बिठाने की पहल करते हैं। पूर्वाग्रह को छोड़ सत्य की स्वीकृति में अपने अहं को झुकाते हैं। संवादों के बीच उलझे तथ्यों को संतुलन के साथ सुलझाकर विवादों को विराम देते हैं। बहनों, हम भी ऐसा बनने का प्रयास करें। यह धार्मिक पर्व संकल्प बने हमारे मैत्री भाव के विकास का। हम भूलों की पुनरुक्ति का अभ्यास छोड़ें। जीये गए अनुभव हमें फिर एक बार इस प्रतिज्ञा से प्रतिबन्धित कर दें -

''इयाणिं णो जमहं पुव्वमकासि पमाएणं''

अब मैं वह कार्य नहीं करूंगी जो मैनें प्रमादवश पहले कर लिये।

हम सब मिलकर करें संकल्प, मैत्री भाव से दूर करे मन के कल्मष।

आपकी अपनी

कुमुद कच्छारा

ऊर्जावाणी

मैत्री की महिमा को बहुत कम लोग समझते हैं। मैत्री का महत्त्व अगम्य हो रहा है। प्रतिकार में जो रस आता है वह मिलकर चलने में नहीं आता - यह कैसा मनोभाव है? थोड़ी-थोड़ी बात पर लोग लड़ पडते हैं, सहिष्णुता मानो उठ ही गई हो। मानव जीवन विरसता में परिणत हो जाता है। मैत्री की महिमा प्रकाश पायें - इसकी बहुत बडी अपेक्षा है। इसलिए खमत-खामणा का तत्त्व बहुत ही महत्वपूर्ण है।

-आचार्य श्री तुलसी

खमतखामणा मैत्री का प्रयोग है। शत्रुता की भावना से ग्रंथि बन जाती है। मैत्री की भावना से ग्रंथि खुल जाती है। शत्रुता की भावना सामने वालों का नुकसान करे या न करे, स्वयं का नुकसान अवश्य कर देती है। मैत्री की भावना अध्यात्म का एक प्रयोग है। जो व्यक्ति मैत्री को अपनाता है, उसकी बीमारियां मिट जाती है। कुंठित ग्रंथियां समाप्त हो जाती है। शारीरिक एवं मानसिक शांति का लाभ होता है। इस सूत्र को याद रखें- ''मित्ती में सव्व भूएसु'' यह अध्यात्म का सूत्र है - स्वास्थ्य का सूत्र है। इसका प्रयोग करने वाला शांति के साथ जी सकता है।

-आचार्य श्री महाप्रज्ञ

पर्युषण पर्व मैत्री का संदेश लेकर आता है। वर्ष भर न खुलने वाली गांठे भी इस पवित्र अवसर पर खुल जानी चाहिए। संवत्सरी के उपवास की आग में वर्ष भर का वैमनस्य जला डालना चाहिए। इस दिन वैमनस्य को सौमनस्य में हृदय से रूपांतरित किया जाये तो इस पर्व को मनाने की अधिक सार्थकता होती है। संवत्सरी की आराधना से उस आध्यात्मिक ऊर्जा को प्राप्त किया जाये जिसके आधार पर वर्ष भर की सारी गतिविधियां अध्यात्म प्रभावित रह सके, मन में क्षमाशीलता का भाव कुछ विकसित रूप में रह सके।

-आचार्य श्री महाश्रमण

मित्रता हो साथ सबके मिली शिक्षा
बढ़े निन्दा प्रशंसा सुनकर तितिक्षा
जिन्दगी है मनुज की बस ज्वारभाटा
कभी मिलता लाभ होता कभी घाटा
सन्तुलन ही साधना-पथ में उजारा।।
चित्त समता में निमज्जित हो हमारा
धुल सकेगा सहज मन का कलुष सदा।।

- साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभा

आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा Happy and Harmonious Family पुस्तक पर 100 सेमिनारों के आयोजन का लक्ष्य

अभिवंदन उस महासूर्य को, करते हैं हम बारम्बार
जिनकी अलौकिक आभा से, बने हमारा सुखी संसार।

संस्कार निर्माण की प्रथम पाठशाला है परिवार
जहाँ छोटी-छोटी खुशियाँ हो जाती है ज्यादा और दुःख हो जाता है आधा....
ऐसी प्रयोगशाला का नाम है परिवार.....
लेकिन जैसे ही युग ने करवट ली, परिवारों की स्थिति बदली
शिक्षा की ज्योति तो फैली, मगर संस्कारों की डोर हुई ढीली
जब बिखरने लगे संस्कार, टूटने लगे परिवार, तब आचार्य महाप्रज्ञ जैसे मसीहा ने लिया अवतार
अहिंसा व मैत्री के सूत्रों से किया जन-जन का उद्धार
डॉ. अब्दुल कलाम के साथ मिलकर सुखी परिवार व समृद्ध राष्ट्र का चित्र किया तैयार
आइये.... उनकी जन्म शताब्दी पर उनकी ही अनुपम कृति Happy and Harmonious Family से रूबरू हो
पाएंगे सुखी परिवार का उपहार
पहले जानेंगे समस्या का मूल कारण, फिर करेंगें सर्वांगीण दृष्टिकोण से निवारण
पुस्तक में अंकित महाप्रज्ञ का हर वाक्य है अद्भुत सूक्त
गुरु का पथ दर्शन ही करेगा हमें समस्याओं से मुक्त।।

बहनों! आप सभी को जानकारी देते हुए परम प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि तेरापंथ धर्मसंघ के दशम् अधिशास्ता कालजयी महर्षि परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाप्रज्ञ के जन्म शताब्दी वर्ष का मंगल शुभारम्भ दिनांक 30 जून 2019 को वीतरागमूर्ति आचार्यश्री महाश्रमणजी की मंगल सन्निधि में भिक्षुधाम, बैंगलुरु में हुआ। त्रिदिवसीय इस भव्य आयोजन का प्रत्यक्ष साक्षी बनने का सौभाग्य राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा एवं महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया को भी प्राप्त हुआ। ''ज्ञान चेतना वर्ष'' के रूप में मनाये जाने वाले आयोजन का भव्य आगाज परम श्रद्धेय आचार्य प्रवर के मुखारबिंद से उद्घोषित ''ज्ञान चेतना करे प्रकाश, संयम में जागे विश्वास'' के जयघोष के साथ हुआ। इस अवसर पर शताब्दी वर्ष आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री हंसराजजी बैताला द्वारा विभिन्न संस्थाओं द्वारा वर्ष भर में करणीय कार्यों का उल्लेख किया गया जिसमें अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को विश्व के महान दार्शनिक आचार्य श्री महाप्रज्ञ की अनुपम कृति Happy and Harmonious Family पर पूरे देश में 100 सेमिनार आयोजित करने की घोषणा की गई। साथ ही साथ उनकी समृद्ध साहित्य संपदा की 100 पुस्तक के शीर्षक पर चयनित 100 मौलिक कविताओं को लिपिबद्ध कर पुस्तक के रूप में प्रकाशित करने की भी स्वीकृति प्रदान की गई।

इस स्वर्णिम अवसर पर असाधारण साध्वीप्रमुखाश्रीजी के प्रवास स्थल पर जब आचार्य प्रवर का पदार्पण हुआ तो उस नयनाभिराम दृश्य को देख जनमेदनी भाव विभोर हो गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा एवं महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने Happy and Harmonious Family के सेमिनार का पोस्टर गुरुचरणों में समर्पित कर लोकार्पण किया।

जन्म शताब्दी समारोह में राष्ट्रीय पदाधिकारी श्रीमती प्रकाशदेवी तातेड़, कल्पना जी बैद, लताजी जैन, लताजी गोयल, वीणाजी बैद, शशिकला नाहर, सरलाजी श्रीमाल, सुधाजी नौलखा आदि बहनों की गरिमामय उपस्थिति रही। विभिन्न संघीय एवं स्थानीय पदाधिकारियों की उपस्थिति के साथ हजारों श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा था। इस अवसर पर जय तुलसी फाउण्डेशन के अध्यक्ष श्री तुलसीकुमारजी दुगड़ ने कल्याण मित्र दुगड़ परिवार द्वारा आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी द्वारा रचित ''संबोधि ग्रंथ'' को गुरु चरणों में समर्पित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा एवं महामंत्री नीलम सेठिया को भी भेंट किया।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

स्वस्थ परिवार स्वस्थ समाज

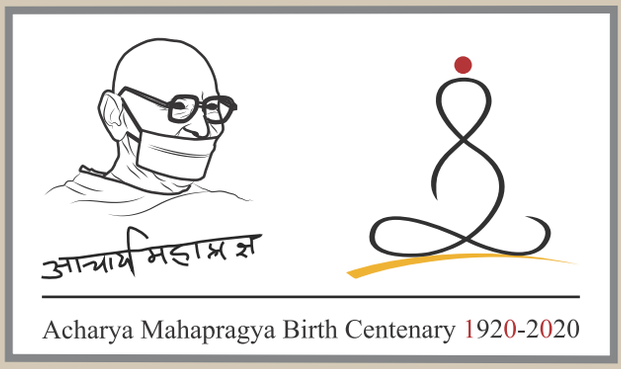

आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित सेमिनार

कार्यक्रम रुपरेखा

- नमस्कार महामंत्र
- मंगलाचरण – महाप्रज्ञ अष्टकम्
- संदेशवाचन – साध्वी प्रमुखाश्रीजी के संदेश का वाचन
- अध्यक्षीय वक्तव्य – (स्थानीय शाखा अध्यक्ष)
- विशेष प्रस्तुति – (गीत – स्वस्थ परिवार स्वस्थ समाज)
  जहाँ डाल-डाल पर खुशियाँ....
- प्रमुख वक्ता या मोटिवेटर द्वारा विषय प्रस्तुति एवं प्रशिक्षण
- खुला सत्र – जिज्ञासा समाधान
- प्रेरणा पाथेय – चारित्रात्माओं द्वारा
- प्रायोगिक प्रशिक्षण –
  अनुप्रेक्षा – मैत्री एवं सामंजस्य
  ऊँ श्री महाप्रज्ञ गुरुवे नमः का 11 बार जाप
- धन्यवाद

नोट – ✦ सम्पूर्ण कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षण अवधि न्यूनतम 100 मिनट की रहे।
✦ उपरोक्त रूपरेखा में अतिथियों या वक्ता की संख्या सुविधानुसार बढ़ाई जा सकती है।

।। ज्ञान चेतना करे प्रकाश, संयम में जागे विश्वास ।।

महिला मण्डल

करणीय कार्य - अगस्त

बहनों ! स्वस्थ रहना मनुष्य की प्राथमिक आवश्यकता है। उसके बिना हमारा जीवन व्यर्थ है। आहार, निद्रा और जल ये तीन स्वास्थ्य प्राप्ति के सर्वोत्तम साधन बतलाए गए हैं। जैसे बुझते दीपक को तेल की, प्यासे चातक को जल की तथा गाड़ी के इंजन को ईंधन की परम आवश्यकता होती है, इसी प्रकार मनुष्य को भी अपनी क्रिया-प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए आहार की बहुत बड़ी आवश्यकता है। इसके लिए जरूरी है हितभुक्, मितभुक् और ऋतुभुक् का ज्ञान। हितभुक अर्थात स्वास्थ्य के लिए अनुकूल भोजन करना, मितभुक अर्थात् भूख से अधिक नहीं खाना और ऋतुभुक अर्थात् ऋतु के अनुकूल भोजन करना।

WE connect
Communicate Collaborate Create

के अन्तर्गत आयोजित करें....

Connection with Food Science

स्वस्थ आहार का सेवन, श्रेष्ठ आरोग्य हर क्षण

बहनों, इस कार्यशाला में Jain Food - Too Good पर चर्चा करते हुए किसी आहार विशेषज्ञ, चारित्रात्माओं या अपने अपने क्षेत्र के विशिष्ट वक्ता द्वारा निम्न बिंदुओं पर प्रशिक्षण प्राप्त करें।

- संतुलित आहार, सदा बहार - Balanced Diet, Always right
- कब, कौन-सा करें भोजन, अनुकूल बना रहे मौसम - Fresh food as per season - Perfect health is the only reason
- कैसे, कितना करें भोजन, पाचन से हो शारीरिक शोधन - Proper food selection, Way to good digestion

कन्या मण्डल

करणीय कार्य - अगस्त

बेटियों के बढ़ते कदम - फहराएं विकास के परचम

प्यारी बेटियों

सादर जय जिनेन्द्र !

अगस्त का महिना रिमझिम बोछारों का महिना है। सावन के इस माह में हमें चारित्रात्माओं की सन्निधि का सौभाग्य भी मिलता है। चातुर्मास काल में आप सभी चारित्रात्माओं की सन्निधि का पूरा लाभ उठायें। यही समय है - सम्यक् ज्ञान प्राप्त करने का, त्याग व संयम से जीवन को निखारने का। यह वर्ष आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष है। ज्ञान चेतना वर्ष में आचार्य प्रवर ने ''संबोधि'' पुस्तक के स्वाध्याय का विशेष निर्देश दिया है। आप सभी इस पुस्तक के स्वाध्याय का विशेष लक्ष्य रखें एवं 'महाप्रज्ञ प्रबोध' कंठस्थ करने का प्रयास कर ज्ञान चेतना बढ़ाये।

आपकी
मधु देरासरिया

इस माह आपको कार्यशाला आयोजित करनी है : विषय - समय जीवन की बहुमूल्य निधि

प्रशिक्षण के बिन्दु :-

- काले कालं समायरे - भगवान की वाणी
- समय प्रबन्धन कैसे करें
- समय के महत्व को जानें
- समय प्रबन्धन के लाभ

इस माह का संकल्प - प्रतिदिन के भोजन में जमीकंद का प्रयोग नहीं करना

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का 44 वाँ राष्ट्रीय वार्षिक अधिवेशन ''संबोध'' 16, 17, 18 सित॰ 2019 को बैंगलुरु में

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का 44वां राष्ट्रीय महिला अधिवेशन दिनांक 16, 17, 18 सितम्बर 2019 को बैंगलुरु में परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में आयोजित है।

- अधिवेशन की पूर्व संध्या में परिचय सत्र रखा गया है अतः सभी बहनें 15 सितम्बर दोपहर तक पहुँचने का प्रयास करें।
- 15 सितम्बर 2019 रविवार को दोपहर 2.00 बजे से रजिस्ट्रेशन प्रारंभ होगा।
- निवर्तमान एवं नव मनोनीत अध्यक्ष/मंत्री अवश्य भाग लें।
- सभी क्षेत्र मान्यता पत्र नविनीकरण हेतु जरूर लेकर आएं।
- किसी भी क्षेत्र की कोई समस्या हो या अधिवेशन सम्बन्धी कोई सुझाव हो तो अध्यक्षीय कार्यालय में लिखकर भेजें।

साधारण सभा

राष्ट्रीय महिला अधिवेशन में साधारण सभा का आयोजन दिनांक 17 सितम्बर दोपहर 2.00 बजे किया जाएगा जिसमें नए अध्यक्ष का मनाव होगा। बहनें समय से 15 मिनिट पूर्व पहुँचकर अपना स्थान ग्रहण कर लें।

साधारण सभा का एजेंडा

1. अध्यक्ष द्वारा स्वागत
2. गत मिनट का वाचन
3. आय-व्यय का विवरण कोषाध्यक्ष द्वारा
4. संविधान की जानकारी
5. अन्य अध्यक्ष की अनुमति से
6. आभार

सभी शाखा मंडल सादर अपेक्षित है।

राष्ट्रीय महिला अधिवेशन में विशिष्ट आयोजन

- पूज्यवरों का विशेष उद्‌बोधन
- आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार समारोह
- श्राविका गौरव अलंकरण सम्मान
- महाप्रज्ञ प्रबोध प्रश्नमंच प्रतियोगिता
- एयरपोर्ट आचार्य प्रवर के प्रवास स्थल से 65 कि.मी. दूर है वहां से आने या जाने में लगभग 2 से 2-30 घंटे लगते हैं अतः अपनी टिकट उसी के अनुसार बनवायें।

  प्रवास स्थल का पता : आचार्य श्री तुलसी चेतना सेवा केन्द्र, मैसूर रोड़, कुम्बलगौड़ु, बैंगलुरु (कर्नाटक)
- अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें :-

09113593025	09448063260	09110873818
श्रीमती शशिकला नाहर	श्रीमती वीणा बैद	श्रीमती सरला श्रीमाल
संयोजिका	मुख्य संयोजिका	संयोजिका

आवश्यक दिशा निर्देश

प्रिय बहनों !

पिछले एक माह के अंतर्गत पूरे देशभर में प्रायः सभी शाखा मंडलों में चुनाव/मनाव सानन्द सम्पन्न हो गये होंगे। हमें सात्विक गौरव की अनुभूति होती है हमारे कर्मठ अध्यक्ष/मंत्री, उनकी टीम एवं एक-एक सदस्य की कर्मजा शक्ति पर। हमारी बहनें कितनी ऊर्जावान है इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है उनकी दायित्व ग्रहण करने से लेकर दायित्व विसर्जन तक के पूर्णतया सक्रियता जागरूकता एवं कर्मठता। 'संकल्प' अधिवेशन में परम पूज्य गुरुदेव से ऊर्जा पाकर व ममतामयी माँ से प्रेरणा पाकर मानो वो पुनः संकल्पित हो गई संस्था के विकास की मीनार को और अधिक ऊँचा उठाने के लिए। केन्द्र द्वारा नारीलोक में निर्देशित प्रत्येक आध्यात्मिक व सामाजिक गतिविधि को इस प्रकार अंजाम दिया कि मूल्यांकन की प्रक्रिया हमारे लिए दुविधाजनक हो गई है। समस्त निवर्तमान अध्यक्ष/मंत्री एवं उनकी पूरी टीम को सफलतम कार्यकाल की ढ़ेरों बधाइयां एवं नव मनोनीत अध्यक्ष/मंत्री व टीम को आगामी कार्यकाल के लिए अनन्त-अनन्त शुभकामनाएं।

- सभी शाखा मंडल नव मनोनीत अध्यक्ष/मंत्री तथा कन्या मंडल संयोजिका/उप संयोजिका का नाम एवं नया पता अतिशीघ्र केन्द्रीय कार्यालय, रोहिणी, लाडनूं में कार्यालय प्रभारी श्रीमती सुमन नाहटा (मोबाईल 9314206965) को प्रेषित करें।
- बहनें, कृपया ध्यान दें एड्रेस (पता) पिन नम्बर सहित पूर्ण हो, अधूरा न हो तथा सभी के फोन नंबर सही जाँच कर भेजे ताकि संपर्क किया जा सके तथा नारीलोक समय पर प्राप्त हो सके।
- जिन क्षेत्रों में वो ही अध्यक्ष पुनः निर्वाचित (Repeat) हुए हैं वो भी अपना व मंत्री का पता अवश्य भेजें। कन्या मंडल संयोजिका का भी अवश्य भेजें।
- नये अध्यक्ष सर्वप्रथम सदस्यता अभियान को अंजाम दें, यथासंभव नवयुवती बहनों को जोड़ने का प्रयास करें।
- निर्वतमान अध्यक्ष अपने कार्यकाल की संपूर्ण सामग्री, संस्था के महत्वपूर्ण दस्तावेज, राशि आदि नये अध्यक्ष को प्रमोद भावना के साथ सुपुर्द कर दें।
- नये अध्यक्ष/मंत्री रजिस्टर आदि रख-रखाव का पूर्ण ध्यान रखें। केन्द्र द्वारा रजिस्टरों की विस्तृत जानकारी नारीलोक के माध्यम से कई बार दी जा चुकी है उसके अनुरूप उसकी सार संभाल रखे।
- बहनों, दो कार्य चाहे वर्ष भर में कम करें मगर संस्था के पेपर वर्क पर पूरा ध्यान दें। केन्द्र से कोई भी सामग्री प्रेषित की जाए उसकी व्यवस्थित फाइल तैयार करें। कार्यक्रम की रिपोर्ट व्यवस्थित ढंग से लिखकर भेजें।
- नये अध्यक्ष/मंत्री से विशेष अनुरोध है कि संस्था की प्रमुख योजना 'स्वस्थ परिवार - स्वस्थ समाज' के अंतर्गत अपने कार्यकाल का भव्य शुभारम्भ ''Happy and Harmonious Family'' सेमिनार के आयोजन से करने का प्रयास करें।
- सेमिनार की रूपरेखा प्रेषित की जा रही है और अधिक जानकारी के लिए अपने-अपने क्षेत्र की राष्ट्रीय प्रभारी बहनों से संपर्क करें।
- यह सेमिनार विशेष निष्पत्तिपरक हो इस बात का ध्यान रखें।
- इस सेमिनार में जैन-जैनेत्तर समस्त समाज एवं संगठन के भाई-बहन, कन्या-किशोर व युवा पीढ़ी को आमंत्रित करे और उनसे फीडबेक भी लिया जाये।

महिला मण्डल

- Happy and Harmonious Family परिवार के साथ कैसे रहें तथा सुखी परिवार समृद्ध राष्ट्र आदि पुस्तक के स्वाध्याय का संकल्प करे।
- जिन-जिन शाखा मंडलों द्वारा आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेंटर का संचालन किया जा रहा है उनके नव मनोनीत अध्यक्ष/मंत्री कृपया ध्यान दें कि केन्द्र द्वारा निर्देशित नियमों की अनुपालना करते हुए सेंटर का संचालन करना है। इसके लिए किसी एक बहन को संयोजिका के रूप में नियुक्त करके टीम बना सकते हैं। प्रति तीन माह से निर्धारित फॉर्म में रिपोर्ट भरकर अध्यक्षीय कार्यालय में अवश्य भेजें।
- आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल या स्तंभ का भी जिन क्षेत्रों में निर्माण किया गया है वो कृपया उसके रख-रखाव एवं सुरक्षा के प्रति पूर्ण जागरूकता रखे। आगामी 15 अगस्त 2019 को ध्वजारोहण अवश्य करें।
- बहनों, महावीर जयंती से हमनें प्रत्येक बुधवार को ऑन लाइन क्वीज का शुभारंभ किया था। अब तक उसमें सैंकड़ों शाखा मंडल से हजारों बहनें जुड़ चुकी है अब तक लगभग 16 क्वीज हो चुके हैं। आगामी 15 अगस्त 2019 को उसका समापन होगा अतः अंतिम क्वीज 14 अगस्त 2019, बुधवार को होगा। तत्पश्चात् उसका परिणाम निकाला जायेगा। अतः अब भी दो बुधवार का समय आपके पास है। अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर विजेता क्षेत्र के रूप में आगे आने का प्रयास करें।
- आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष के शुभारंभ पर त्रिदिवसीय संकल्प साधना से अच्छी संख्या में बहनें जुड़ी है। अब वार्षिक संकल्प साधना (ज्ञान-दर्शन-चारित्र) से भी अधिक से अधिक बहनें व कन्याएं जुड़नें का प्रयास करें। जून-जुलाई माह की नारी लोक में इसकी विस्तृत जानकारी प्रेषित की गई है।
- चातुर्मास का समय आध्यात्मिक जागरण का समय है। अतः तप, जप, ध्यान, स्वाध्याय व धर्म आराधना में अधिक से अधिक बहनें अपने समय का नियोजन करें।
- पर्युषण के दौरान प्रतिदिन प्रवचन श्रवण एवं सायंकालीन प्रतिक्रमण में अधिक से अधिक युवापीढ़ी को जोड़ने का प्रयास करें। सांवत्सरिक प्रतिक्रमण के लिए विशेष जागरूकता रखें।

कन्या मंडल राष्ट्रीय अधिवेशन के संदर्भ में ध्यानार्थ बिंदु -

- सभी शाखा मंडल के अध्यक्ष/मंत्री अपने-अपने क्षेत्र की कन्याओं के साथ प्रभारी बहन को अवश्य भेजें।
- अधिवेशन के दौरान तथा आगमन से प्रस्थान तक की कन्याओं की संपूर्ण जिम्मेदारी प्रभारी बहनों की रहेगी।
- सभी कन्याएं अधिवेशन के प्रारंभ से अंत तक मर्यादा एवं अनुशासन का पूरा ध्यान रखें।
- प्रत्येक सत्र में उपस्थिति अनिवार्य है। कोई विशेष कारण हो तो प्रभारी बहन तथा राष्ट्रीय पदाधिकारियों की जानकारी में अवश्य लायें।
- देर रात तक परिसर में या परिसर के बाहर नहीं रहें।

तत्त्वज्ञान के छठें वर्ष और तेरापंथ दर्शन के पांचवे वर्ष की विशेष मौखिक व लिखित परीक्षा परम पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में बैंगलुरु में 9 एवं 10 अगस्त को आयोजित की गयी है।

अभातेममं द्वारा आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत श्रुतोत्सव का आयोजन दिनांक 8 व 9 अगस्त 2019 को बैंगलुरु में किया गया है।

चारित्रात्माओं की तत्वज्ञान की परीक्षा दिनांक 17 एवं 19 अगस्त को मध्यान्ह 1 से 4 बजे तक होगी।

जैन जायका प्रतियोगिता

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का प्रयास
सुघड़ गृहिणी को पहनाया ताज।

जैन जायका, an initiative to promote jain and vegan food प्रतियोगिता में देश भर से 100 प्रतियोगियों न भागे लिया जिसके अन्तर्गत मंडल के You Tube चैनल पर 100 रेसीपी के विडीयो अप-लोड किये गये, जिससे जैन फूड की धूम मच गई।

सभी सम्भागीयों को तहेदिल से आभार।

इसकी संयोजिका श्रीमती निधि सेखानी एवं श्रीमती अभिलाषा बैद (सूरत) है।

इस प्रतियोगिता की निर्णायक मास्टर शैफ फेम श्रीमती स्मिता दूगड़ (हैदराबाद)।

प्रतियोगिता परिणाम

Bumper Winners

1. Sangita Bafna, Liluah
2. Vibha Baid, Jaipur City
3. Rashmi Surana, S.Kolkata

Winners

- Manju Baid, Faridabad
- Kavita Daga, Mumbai Andheri
- Santosh Daga, Hyderabad
- Minakshi Gulgulia, Behampore
- Monika Baid, Nokha

Runner Ups

- Sheetal Maloo, Coonoor
- Kalpana Surana, Behala
- Tapasya Jain, Raipur
- Manju Maloo, Surat
- Usha Bothra, Bikaner

Most Youtube Likes

- Neha Bhandari, Erode
- Savita Sethia, Jaipur (C-Scheme)

विजेता बहनों को अभातेममं की ओर से हार्दिक बधाई

आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी पर आयोजित Whatsapp क्वीज प्रतियोगिता परिणाम

आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष जो आचार्य श्री महाश्रमणजी द्वारा 'ज्ञान चेतना वर्ष' के रूप में उद्घोषित किया गया है, अभातेममं ने इस ज्ञान चेतना वर्ष को ज्ञानार्जन के साथ मनाने का सफल प्रयास किया और Whatsapp पर आचार्यश्री महाप्रज्ञ क्वीज प्रतियोगिता का रोचक आयोजन किया जिसमें हमारे साथ जुड़ी 127 शाखा मंडलों से 2100 बहनें। सभी बहनों का आभार जिन्होंने इस प्रतियोगिता में अपनी सहभागिता दर्ज कराई एवं इस क्वीज की सराहना की। इस क्वीज की संयोजिका श्रीमती निधि सेखानी एवं उनकी टेक्नीकल टीम, सुरत से श्रीमती शिल्पा मादरेचा, प्रीति सुराणा एवं रंजीता बैद का श्रम सार्थक हुआ। इस क्वीज के परिणाम सही उत्तर एवं समय सीमा के आधार पर निकाले है। अनेकों बहनों से हमे सही उत्तर प्राप्त हुए अतः लक्की ड्रॉ के माध्यम से चयनित विजेताओं के नाम इस प्रकार है-

टॉपर

श्रीमती राधा देवी सालेचा	-	पचपदरा	श्रीमती सुमन बेताला	-	कटक
श्रीमती सरोज बांठिया	-	सूरत	श्रीमती मीना मेहता	-	सूरत
श्रीमती बॉबी जैन	-	कांटाबाजी			

विभिन्न सेगमेंट में सही उत्तर तालिका से लक्की ड्रॉ द्वारा निकाले गये चयनीत प्रतिभागियों के नाम-

क्वीज-1

1	श्रीमती हर्षलता दूधेड़िया	हैदराबाद
2	श्रीमती वनिता गेलड़ा	चैन्नई
3	श्रीमती रेखा पितलिया	मैसूर
4	श्रीमती रेशमी बेताला	भुवनेश्वर
5	श्रीमती सुमनलता	संगरूर

क्वीज-2

1	श्रीमती मोनिका भंसाली	इचलकरंजी
2	श्रीमती मंजु मेहता	गुवाहाटी
3	श्रीमती पूजा पुगलिया	लुधियाना
4	श्रीमती शालिनी पुगलिया	जयपुर सी-स्कीम
5	श्रीमती सुषमा गुलगुलिया	दक्षिण कोलकाता

क्वीज-3

1	श्रीमती रेखा डागा	गुलाबबाग
2	श्रीमती ममता चौपड़ा	उदासर
3	श्रीमती ममता मेहता	जसौल
4	श्रीमती निशा चण्डालिया	किशनगंज
5	श्रीमती सरिता बांठिया	फरीदाबाद

क्वीज-4

1	श्रीमती स्नेहलता	टालीगंज (कोल.)
2	श्रीमती सोनिया श्रीमाल	किशनगंज (बिहार)
3	श्रीमती ज्योति संचेती	गुलाबबाग
4	श्रीमती अनिता छाजेड़	गंगानगर
5	श्रीमती रेखा जैन	उचाना मंडी

क्वीज-5

1	श्रीमती सुशीला गुलगुलिया	बहरमपुर
2	श्रीमती मधु पींचा	जोरहाट
3	श्रीमती पूजा मालू	खुश्कीबाग
4	श्रीमती आरती धारीवाल	काठमांडू
5	श्रीमती पुनीता बोथरा	राउरकेला

क्वीज-6

1	श्रीमती जयश्री छाजेड़	नोखा
2	श्रीमती मनीषा ओस्तवाल	बालोतरा
3	श्रीमती सरिता पटावरी	उत्तर हावड़ा
4	श्रीमती संजु ललवानी	गंगाशहर
5	श्रीमती प्रज्ञासुमन	जयपुर सी-स्कीम

क्वीज-7

1	श्रीमती सुप्रभा पुगलिया	पटना
2	श्रीमती विजयश्री ललवानी	जलगांव
3	श्रीमती संगीता फूलफगर	सेलम
4	श्रीमती अलका नाहटा	बीकानेर
5	श्रीमती पिंकी भंसाली	इरोड़

क्वीज-8

1	श्रीमती कंचन चौपड़ा	हुबली
2	श्रीमती ज्योति बांठिया	पीलीबंगा
3	श्रीमती मोनिका बैद	नोखा
4	श्रीमती शौभा बैद	तिरूपुर
5	श्रीमती पूजा पुगलिया	लुधियाना

क्वीज-9

1	श्रीमती सोनल छाजेड़	नोखा
2	श्रीमती प्रियंका जैन	बालोतरा
3	श्रीमती विजयलक्ष्मी हीरावत	विशाखापट्टनम
4	श्रीमती श्रद्धा चोरड़िया	शोलापुर
5	श्रीमती भगवती चौपड़ा	पचपदरा

क्वीज-10

1	श्रीमती विनीता सुराणा	विजयनगरम
2	श्रीमती कुसुम मनोत	बीरगंज
3	श्रीमती विशाखा दफ्तरी	अहमदाबाद
4	श्रीमती मनीषा बोथरा	इस्लामपुर
5	श्रीमती दीप्ती धांधिया	जयपुर शहर

सदस्य संख्या के अनुपात में सर्वाधिक प्रविष्टियां भेजने वाले क्षेत्र है -

सूरत, गुलाबबाग, नोखा, राउरकेला, जयपुर शहर, उत्तर हावड़ा, जयपुर सी-स्कीम, बालोतरा, चैन्नई, पचपदरा

सभी विजेता बहनों को अभातेममं की ओर से हार्दिक बधाई

LIFE COACH TRAINING COURSE के Final Moduel का भव्य आयोजन

मुंबई – अखिल भारतीय तेरापंथ मंडल द्वारा महिलाओं के व्यक्तित्व विकास हेतु समय-समय पर विभिन्न उपक्रमों का आयोजन किया जाता है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने नई सोच एवं दूरदर्शिता के साथ LCTC का प्रारम्भ किया। जिसके अन्तर्गत बहनों को कुशल वक्ता बनने के साथ लोगों को Motivate करने की Online Training दी गयी। 15 माह तक बहनों को 5 विभिन्न माड्यूल के माध्यम से Online Training दी गयी एवं जिन प्रतिभागियों ने इन्हें सफलतापूर्वक पार किया उन्हें इस कोर्स के अंतिम चरण में त्रिदिवसीय कार्यशाला में आमंत्रित किया गया। देशभर से लगभग 12 राज्यों के 20 शहरों से 55 प्रतिभागी LCTC की Final Training हेतु मुंबई के कांदीवली भवन में पहुँचे जहाँ पर उन्हें प्रोफेशनल प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता एवं महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया की विशेष उपस्थिति एवं राष्ट्रीय पदाधिकारी श्रीमती प्रकाश देवी तातेड़, श्रीमती प्रेमलता सिसोदिया, श्रीमती तरूणा बोहरा, श्रीमती सुमन बच्छावत, श्रीमती निर्मला चंडालिया, श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा एवं श्रीमती उषा जैन व प्रभा दुगड़ की गरिमामयी उपस्थिति में LCTC की संयोजिका श्रीमती जयश्री बडाला, श्रीमती रत्ना कोठारी व श्रीमती रचना हिरण ने LCTC के लोगो का अनावरण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय परामर्शक श्रीमती प्रेमलताजी ने स्वागत वक्तव्य दिया। अंधेरी की बहनों ने प्रेरणागीत के मधुर संगान से वातावरण को रसमय बनाया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि मंजिल उसी को मिलती है जो सफर की शुरुआत करते हैं एवं सभी प्रतिभागी सर्वप्रथम घर से समन्वय की शुरुआत कर लक्षित मंजिल की ओर कदम बढ़ाये। साथ ही कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ जन्मशती तक 100 मोटीवेटर्स तैयार करने का लक्ष्य है और यह तो केवल शुरुआत भर है। महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने बहनों को मोटीवेट करते हुए कहा कि पहले स्वयं अनुभव करे फिर उसे स्वयं के जीवन में उतारे तो आप दूसरों को भी Motivate कर सकते हैं। श्रीमती जयश्री बडाला ने LCTC के सफर के अनुभव बताये। इस सत्र में मुख्य वक्ता श्री दिलिपजी सरावगी ने प्रतिभागियों को मोटीवेट करते हुए कहा कि हम स्वयं अपने जीवन को Architect है। उन्होंने विभिन्न बिंदुओं के माध्यम से बहनों को Life Coach बनने की प्रेरणा दी। सत्र का संचालन श्रीमती रचना हिरण ने किया।

द्वितीय सत्र में Identify Image Coaching से श्रुति शारदा एवं तृप्तीजी ने Body Language, आत्मविश्वास आदि से प्रथम 3 सेकेण्ड में कैसे व्यक्ति प्रभावी प्रथम Impression बना सकता है इसकी जानकारी दी। तृतीय सत्र में देश के कोने-कोने से पधारी प्रतिभागियों को एक मिनिट में अपने रोल मॉडल के Gateup के साथ स्वयं का परिचय देना था। इसमें बहनों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, झांसी की रानी, माता-पिता, नरेन्द्र मोदी, कुरजा पक्षी आदि को अपना Role Model बताते हुए रोचक व मनमोहक प्रस्तुति दी। इस सत्र का संचालन श्रीमती तरूणा बोहरा ने किया।

LCTC के दूसरे दिन के कार्यक्रम की शुरुआत इस कोर्स की विशेष सहयोगी हैदराबाद से श्रीमती नमिता सिंघी ने योगा द्वारा की। तत्पश्चात प्रथम सत्र में Identity Image Coaching द्वारा बहनों को पहनावे द्वारा व्यक्तित्व की पहचान के बिंदु बताये गये। साथ ही Attitude एवं grooming के Tips भी दिये गये।

द्वितीय सत्र में महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने मुख्य वक्ता के रूप में संघीय मंच से प्रस्तुति देते वक्त किस

गरिमापूर्ण तरीके के साथ अभिव्यक्ति होनी चाहिए इसकी बहुत ही रोचक व गहन जानकारी दी। उन्होंने चारित्रात्माओं की उपस्थिति में किस तरह से मंच संचालन हो इस पर बारीकी से प्रतिभागियों को बताया जो बहुत ही प्रभावी रहा। इसी सत्र में Identity Coaching द्वारा अन्य प्रशिक्षण के साथ एकाग्रता व आत्म विश्वास के साथ वक्तव्य का अंत कैसे हो यह विशेष बताया साथ ही प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी दिया गया। श्रीमती जयश्री बडाला ने भी बहनों को प्रशिक्षण दिया।

तृतीय सत्र में सर्वप्रथम गुरु इंगित की आराधना करते हुए सामायिक की गयी जिसमें भिक्षु स्वामी की तेरस होने से सामूहिक भजनों का संगान किया गया। तत्पश्चात् प्रतिभागियों ने LCTC के सफर के अनुभव बताये जो बहुत ही रोचक थे एवं एक दूसरे के लिए उत्साहवर्धक व प्रेरणादायी भी रहे। महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने प्रतिभागियों को संस्था के सभी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए उन्हें उनसे जुड़ने की प्रेरणा दी।

तृतीय दिवस यानि समापन सत्र में trainer विशाल शारदा ने अपने Talent को हम कैसे व्यवसाय में परिवर्तित कर सकते है यह जानकारी दी। एक कुशल वक्ता जीवन में अपने Talent को निखार कर सकारात्मकता के साथ कैसे उत्तरोत्तर विकास कर सकता है की भी इस सत्र में प्रेरणा दी गयी। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने प्रतिभागियों को समापन सत्र में विशेष प्रेरणा देते हुए कहा कि जीवन में परिवार से अहम् कुछ भी नहीं। परिवार को साथ रख व्यक्ति आसमां की बुलंदियों को छू सकता है। महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने प्रतिभागियों से कहा संघ व संघपति के प्रति निष्ठावान बने रहे स्वतः आपकी एक विशिष्ट पहचान बनेगी। LCTC की संयोजिका श्रीमती जयश्री बडाला ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह तो मंजिल की शुरुआत है जीवन में अभी बहुत आगे बढ़ना है। इस कोर्स की एकमात्र कन्या प्रतिभागी सुश्री पिंकल जैन ने भी अपने विचार व्यक्त किये। सत्र के अन्त में राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री, कार्यक्रम संयोजिका एवं अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के पदाधिकारियों द्वारा सभी संभागियों को स्टॉल ओढ़ाकर सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। सत्र का संचालन श्रीमती रत्ना कोठारी ने किया।

कार्यक्रम के सभी प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष सहयोगियों का मोमेंटो द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आचार्य तुलसी महाप्रज्ञ फाउंडेशन का विशिष्ट सहयोग रहा। 15 महिनों से चल रहे इस उपक्रम का उद्देश्य था कि बहनें मंच पर आत्मविश्वास के साथ वक्तव्य दे सकें एवं दूसरों के एवं स्वयं के जीवन में भी आशा की किरणें फैलाएं तथा सकारात्मक परिवर्तन लाएं। कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती जयश्री बड़ाला, श्रीमती रचना हिरण, श्रीमती रत्ना कोठारी की श्रम बूंदों से सिंचित इस Online प्रशिक्षण में विशिष्ट सहयोग हैदराबाद से श्रीमती नमिता जी सिंघी का रहा।

यह LCTC यात्रा वास्तव में यादगार, ऐतिहासिक व प्रेरणादायक रही। बहुत ही सफल कार्यक्रम रहा। देश के कोने-कोने से आने वाली सभी बहनें अपने जीवन में आमूल-चूल परिवर्तन कर सकारात्मक सोच के साथ लाइफ कोच बनकर आगे बढ़ने के लिए दृढ़ संकल्पित बनी। इस त्रिदिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुंबई सभाध्यक्ष नरेन्द्रजी तातेड़, अभातेयुप के महामंत्री संदीप जी कोठारी, फाउंडेशन के अध्यक्ष सुरेन्द्र जी कोठारी, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष रमेशजी चौधरी, विजयजी पटवारी, विनोदजी बोहरा, मीडिया प्रभारी प्रमोद जी सूर्या, सुरभि सलोनी से रूपेशजी दुबे सहित अन्य गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित हुए। राष्ट्रीय अध्यक्ष के विशेष निवेदन पर मुंबई महिला मंडल के सभी पूर्वाध्यक्ष की विशेष उपस्थिति रही। कार्यशाला को सफल बनाने में LCTC संयोजिका जयश्री बडाला, रचना हिरण तथा मुंबई महिला मंडल मंत्री श्वेता सुराणा, गीतांजली बोहरा, अंजु कोठारी, प्रीति बोथरा एवं पूरी टीम का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। सभी के प्रति अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ओर से हार्दिक धन्यवाद।

Happy and Harmonious Family Seminar
का भव्य आगाज सौनार बंगला की धरा से

कोलकता – आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष पर अखिल भारतीय महिला मंडल के निर्देशन में साउथ कोलकता महिला मंडल द्वारा दो दिवसीय पश्चिम बंगाल स्तरीय Happy and Harmonious Family Seminar का भव्य आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता एवं महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया जिसमें विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये।

कार्यशाला का आगाज राजभवन से

परम श्रद्धेय आचार्यश्री महाश्रमणजी की विदुषी शिष्या साध्वी श्री स्वर्णरेखाजी से मंगलपाठ श्रवण कर कोलकता के राजभवन में महामहिम राज्यपाल डॉ. श्रीमान केसरीनाथजी त्रिपाठी के कर कमलों से लोगो एवं सीडी का अनावरण राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया, श्रीमती तारा सुराणा, श्रीमती चम्पा कोठारी, श्रीमती शांता पुगलिया, श्रीमती सूरज बरड़िया, श्रीमती कल्पना बैद, साउथ कोलकता महिला मंडल अध्यक्ष पुखराज सेठिया एवं श्रीमती वीणा श्यामसुखा, सोनम बागरेचा, लीना दुगड़, रमण पटावरी, ज्योति जैन की उपस्थिति में किया गया। पूरे देशभर में आयोजित की जाने वाली 100 कार्यशालाओं का सफल आगाज कोलकता की धरा से हुआ।

प्रेस कोन्फ्रेन्स का आयोजन

परिवारों में खुशहाली आए, स्वस्थ शरीर की सरंचना हो, समृद्ध राष्ट्र की सुन्दर परिकल्पना साकार हो – इसी उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला की गूंज देश के कोने-कोने में पहुँचे तथा कार्यक्रमों को Media Coverage मिले, इसी को ध्यान में रखते हुए कोलकता के प्रेस क्लब में कोलकता के जाने-माने लगभग 20 अखबार एवं न्यूज चैनलों द्वारा इस सेमिनार की विस्तृत जानकारी को कवरेज दिया गया। इस प्रेस कान्फ्रेन्स में कोलकता के समस्त राष्ट्रीय पदाधिकारी, सदस्य एवं साउथ कोलकता व वृहद कोलकता के सभी पदाधिकारी उपस्थित हुए। संचालन रा.का.स. सोनम बागरेचा ने किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री का भव्य स्वागत

साउथ कोलकता महिला मंडल द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री का साउथ सभा भवन में भावभीना भव्य स्वागत किया गया। साध्वी श्री स्वर्णरेखाजी के दर्शन कर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रवचन में इस कार्यशाला की संक्षिप्त जानकारी दी। शंखनाद के साथ सबने हाथों में दिपक लेकर स्वागत गीत गाकर भव्य स्वागत किया। ज्यों-ज्यों उन्होंने कदम बढ़ाये-फूलों ने खिलकर उनका स्वागत किया। वृहद कोलकता के सभी क्षेत्र, उत्तर हावड़ा, दक्षिण हावड़ा के अध्यक्ष, मंत्री, पदाधिकारी, साउथ कोलकता की पूरी कार्यसमिति संयोजिकाएं, समाज की प्रतिष्ठित महिलाओं की उपस्थिति में दोनों का भव्य स्वागत हुआ। वृहद कोलकता के पूर्वांचल, मध्य कोलकता, टोलीगंज, बेहाला, लिलुआ के अध्यक्षों ने अपने-अपने ढंग से स्वागत किया व अपने विचार रखे। साउथ कोलकता की सैंकडों बहनों ने एक वर्ष तक प्रतिदिन एक विगह छोडने का संकल्प लेकर स्वागत में चार चाँद लगाये।

विक्टोरिया के प्रांगण में गूंज

कोलकता की धड़कन विक्टोरिया मेमोरियल में **हैप्पी हारमनी फैमिली रैली** एवं हैप्पी हारमनी लिखे गुब्बारे उड़ा कर इसकी गूंज धरती से अम्बर तक की गयी।

कन्या सुरक्षा सर्किल एवं बैंचों का अनावरण

साउथ कोलकता महिला मंडल द्वारा दो कन्या सुरक्षा स्तंभ का अनावरण राउडन स्ट्रीट एवं लेयोनर्ड पार्क हैस्टिंग्स में हुआ, जिसका सौजन्य मिला श्रीमान सुशील जी पुखराज जी सेठिया परिवार से और उद्घाटन हुआ राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री के कर कमलों से। पार्क में कन्या सुरक्षा के संदेश को प्रसारित करने हेतु बैंचों का भी निर्माण किया गया।

हैप्पी एण्ड हारमोनियस सेमिनार का भव्य कार्यक्रम कलामंदिर ऑडिटोरियम में

विदुषी साध्वी श्री स्वर्णरेखाजी एवं सहवर्तिनी साध्वी स्वस्तिक प्रभाजी के सान्निध्य में कोलकता के विख्यात ओडिटोरियम कला मंदिर में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा एवं महामंत्री नीलम सेठिया की गरिमामयी उपस्थिति में Happy and Harmonious Family Seminar का भव्य आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ साध्वीश्री जी द्वारा नमस्कार महामंत्रोच्चार तत्पश्चात् ''ओम श्री महाप्रज्ञ गुरुवे नमः'' जप के साथ हुआ। साध्वीप्रमुखाश्रीजी द्वारा रचित ''नया सवेरा आए'' गीत की सुन्दर प्रस्तुति की गई जिसमें स्टेज पर सभी क्षेत्रों के अध्यक्ष, मंत्री, राष्ट्रीय कार्यसमिति बहनें, गणमान्य व्यक्ति उपस्थित हुए। राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा लोगो का अनावरण करते समय जब Happy Harmonious Family Seminar लिखा प्रकाशमय Logo जब स्टेज पर ऊपर से नीचे आया तो लाल रंग के स्वस्तिक और पूरे ऑडिटोरियम में जगमग करते दीपक, पूरे केसरिया परिधान में महिला शक्ति की गरिमा में वृद्धि कर रहा था। सचमुच वह भव्य नजारा देखते ही बनता था। साध्वीप्रमुखाश्रीजी के संदेश का वाचन रा.का.स. श्रीमती रमन पटावरी ने किया।

साउथ कोलकता अध्यक्ष श्रीमती पुखराज सेठिया ने सभी संस्थाओं के पदाधिकारी, गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए कहा – देश में आयोजित होने वाली 100 कार्यशालाओं का आगाज राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में कोलकता की धरा से हो रहा है और साउथ कोलकता महिला मंडल को इसकी आयोजना का सौभाग्य मिला है, यह हमारे लिए गौरव की बात है। अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने कहा – आचार्य महाप्रज्ञजी की परिकल्पना के अनुरुप यदि 100 परिवार भी बनते हैं तो इन सेमिनारों की सार्थकता है। महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने कहा – आचार्य महाप्रज्ञजी की पुस्तक ''सुखी परिवार व समृद्ध राष्ट्र'' सभी पढ़े एवं उसे आत्मसात करने का प्रयास करें।

साध्वी स्वर्णरेखाजी ने प्रेरणा पाथेय में फरमाया नारी नारायणी का रूप है, वही स्वस्थ परिवार की सरंचना में सहभागी बन सकती है। अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रशिक्षक श्री राहुल कपूर ने आचार्य महाप्रज्ञ रचित पुस्तक 'Happy & Harmonious Family के आधार पर विशेष प्रभावी प्रशिक्षण दिया। स्व और पर के विकास के लिए आन्तरिक क्षमता का मूल्यांकन करना सीखे। सक्षम बन कर ही परिवार, समाज व राष्ट्र का विकास सम्भव है। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के 19 क्षेत्रों की महिला मंडल, विभिन्न क्षेत्रों के सभा संस्थाओं के पदाधिकारीगण, जैनेत्तर समाज से 13 संस्थाओं की पदाधिकारी बहनें, अखिल भारतीय महिला मंडल की कार्यकारिणी बहनों ने उपस्थित रह कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। संस्था की युवती बहनों एवं बच्चों ने बहुत ही सुन्दर विषयानुकुल कार्यक्रम प्रस्तुत किया। सभी सभा संस्थाओं के पदाधिकारीगण, समाज के विशिष्ट गणमान्य व्यक्ति, पश्चिम बंगाल एवं वृहद कोलकता के सभी महिला मंडल, कोलकता के अनेक विशिष्ट महिला संगठनों की गरिमामयी उपस्थिति व लगभग 1200 से अधिक लोगों की उपस्थिति से कार्यक्रम सफल एवं अविस्मरणीय रहा। द्विदिवसीय संपूर्ण कार्यक्रम की संयोजना में प्रारंभ से लेकर अंत तक श्रीमती सूरज बरड़िया का निर्देशन व श्रम सार्थक एवं सफल रहा।

सेमिनार में पश्चिम बंगाल के मध्य कोलकता, उत्तर हावड़ा, दक्षिण हावड़ा, पूर्वांचल, बेहाला, टोलीगंज, लिलुआ, उत्तर पाड़ा, बाली, बेलूर, हिंद मोटर, रिसरा, घुसकुरा, बेलडंगा, रायगंज, दुर्गापुर, इस्लामपुर, दलखोला आदि क्षेत्रों से बहिनों की तथा बंगाल प्रभारी श्रीमती नीतू श्रीमाल की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में ''परिवार हमारा जान से प्यारा'' सांस्कृतिक कार्यक्रम की एक नयी विधा द्वारा प्रस्तुति दी गयी। पूरी टीम की सक्रियता ने कार्यक्रम को सफलतम बनाया। अन्ततः सभी का आभार ज्ञापन मंत्री वीणा श्यामसुखा ने किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन निर्देशिका श्रीमती सूरज बरड़िया ने किया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ओर से सभी के प्रति हार्दिक धन्यवाद।

सेमिनार की पूर्व संध्या में वृहद कोलकता के पूर्वांचल की अध्यक्ष श्रीमती रमण पटावरी, टोलीगंज की अध्यक्ष श्रीमती अनिता सिंघी, मध्य कोलकाता की अध्यक्ष श्रीमती बसंतीदेवी बोहरा तथा बेहाला की अध्यक्ष श्रीमती राखी जैन एवं उनकी पूरी टीम ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री तथा समस्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों का भव्य स्वागत करते हुए संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन किया। कला मंदिर में आयोजित सेमिनार में तेरापंथ धर्मसंघ के वरिष्ठ श्रावक श्रीमान् बनेचंद जी मालू, श्री भंवरलालजी बैद, सुरेन्द्र जी दुगड़, सुरेश जी गोयल, विजयसिंह जी चोरड़िया, कन्हैयालालजी पटावरी, अरविन्द जी डागा आदि गणमान्य पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

देश के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित Happy and Harmonious Family सेमिनार

लुधियाना – Happy and Harmonious Family सेमिनार के कोलकाता के भव्य आगाज के पश्चात् राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में पंजाब के लुधियाना शहर में आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनिश्री हिमांशु कुमारजी के सान्निध्य में दूसरा सेमिनार लुधियाना महिला मंडल द्वारा आयोजित किया गया। मंडल अध्यक्ष श्रीमती मंजुदेवी बैद ने अतिथियों का स्वागत किया। मुनिश्री हिमांशु कुमारजी ने सात सकार की व्याख्या करते हुए सुखी परिवार के गुर बताये। मुनिश्री हेमंत कुमारजी ने युवा पीढ़ी को विशेष मद्देनजर रखते हुए टेक्नोलॉजी के इस युग में किस तरह जीवन में संतुलन कर सुखी परिवार की रचना की जा सकती है। उपासक श्रेणी के राष्ट्रीय सहसंयोजक श्री सूर्यप्रकाशजी श्यामसुखा ने भी विषय पर प्रेरणा देते हुए कहा कि जीवन के शब्दकोष में 'शांति' सबसे अहम् शब्द है। शांति से ही परिवार सुखी व समृद्ध बन सकता है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने आचार्य महाप्रज्ञजी के सुखी एवं समृद्ध परिवार हेतु बताये गये सूत्र सहन करो – सफल बनो तथा रहो भीतर – जीओ बाहर की व्याख्या करते हुए बहनों को Happy and Harmonious Family के निर्माण की कला बतायी। निवर्तमान महामंत्री श्रीमती सुमन नाहटा ने भी काव्यात्मक रूप में विषय पर प्रस्तुति दी। महिला मंडल की बहनों ने महामंत्र अष्टकम् एवं स्वस्थ परिवार गीत की प्रस्तुति दी। तेयुप मंत्री श्री धीरज सेठिया ने भी विचार व्यक्त किये। साध्वी प्रमुखाश्रीजी के संदेश का वाचन व आभार ज्ञापन श्रीमती साजल बैद ने किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंडल मंत्री श्रीमती प्रमिला पुगलिया ने किया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी से पंजाब प्रभारी श्रीमती उषा जैन की गरिमामयी उपस्थिति रही। सेमिनार में लुधियाना के सभी सभा-संस्था के पदाधिकारियों एवं महिला मंडल की अच्छी संख्या में उपस्थिति रही।

साक्री – आ. महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत अभातेममं द्वारा Happy and Harmonious Family Seminar की आयोजना के अन्तर्गत तेरापंथ महिला मंडल साक्री द्वारा शासनश्री साध्वी पद्मावतीजी के सान्निध्य में खानदेश स्तरीय Happy and Harmonious Family Seminar का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने की। महाप्रज्ञ अष्टकम के मंगल भावों से भावित कन्या मंडल के स्वरों से कार्यक्रम की मंगल शुरुआत हुई। युवती-बहनों के द्वारा ''हम नया सवेरा लाएं'' पर सुंदर प्रस्तुति दी गई। अभातेममं रा.का.स. महाराष्ट्र प्रभारी श्रीमती निर्मला चंडालिया ने कहा कि परिवार कल कल करता झरना है। ईंट और चूने से बना मकान नहीं अपितु स्नेह व विश्वास से बना हुआ घर है। Faith, Appreciation, Morality, Ideal, Loyality, Youth से परिवार बनता है। महाराष्ट्र प्रभारी श्रीमती जयश्री जोगड़ ने खानदेश के इस छोटे क्षेत्र की जागरूकता के लिए प्रमोद भावना व्यक्त करते हुए कहा हम बहनों के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष का जो श्रावकत्व के गुणों से युक्त जीवन है, वह अनुकरणीय है। राष्ट्रीय अध्यक्ष का इन सेमिनारों के आयोजन के पीछे जो आचार्य महाप्रज्ञ की कल्पना के अनुरुप परिवारों का निर्माण हो, उसे हमें पूर्ण करना है।

श्रीमती कुमुद कच्छारा ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि टूटते-बिखरते परिवारों की स्थिति को देखकर करूणासागर आचार्य महाप्रज्ञ ने सुखी व समृद्ध परिवार की परिकल्पना कर जिस कृति की रचना की उसी को आधार बनाकर ये 100 सेमिनार आयोजित होंगे। उसी श्रृंखला में यह तीसरा व महाराष्ट्र की धरा पर पहला सेमिनार है। एक जमाना ऐसा था कि एक ही आंगन में बैठकर परिवार के 50-60 व्यक्ति खाना खाते थे, वार्तालाप करते थे लेकिन समय ने करवट ली और स्थितियां बदल गई, अब Whatsapp मैसेज से आपस में बातचीत होती है। आचार्य महाप्रज्ञ के शब्दों को उल्लेखित करते हुए कहा कि शांति उसका एक छोटा सा शब्द है। किंतु सुखी समृद्ध परिवार के सारे रहस्य उसी के भीतर ही है। हमारे भीतर से कषाय रूपी शल्य निकल जायेंगे तो शांति की प्राप्ति स्वतः ही हो जायेगी। सहनशील बने, भेदभाव न करें तो कहीं कोई विघटन नहीं होगा।

विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित Happy and Ha

armonious Family सेमिनार की झलकियां

केलफोर्निया(यूएसए)–हैप्पी एंड हारमोनियास फैमिली सेमिनार का आयोजन

साध्वी मेरूप्रभाजी ने सुमधुर गीत Happy Home चाहिए से विषय के संदर्भ में सुंदर प्रस्तुति दी। साध्वीश्री मयंकप्रभाजी ने नारी, महिला, स्त्री इन शब्दों की सटीक परिभाषा देते हुए कहा कि जिसमें से शत्रु नहीं होता जो धरती की लाज है, पृथ्वी को हिला देने वाली है, स्वयं विस्तारक है वहीं सुखी एवं समृद्ध परिवार की नींव है। नारी सृष्टि की सबसे कमनीय कृति होकर भी शक्ति स्वरूपा है। परिवार में एक सूत्रता का सृजन करती है।

शासनश्री साध्वी पद्मावती जी ने अपने मंगल पाथेय में फरमाया कि समाज की सबसे छोटी ईकाई परिवार है। यदि परिवार सुखी होगा तो समाज और राष्ट्र सभी सुखी हो जायेंगे। एक दूसरे को समझे, सहन करे और स्नेह, संपोषण से आगे बढ़े तभी रिश्तों में मधुरता आयेगी और चित्त समाधि की प्राप्ति सभी को होगी। संयोजकीय वक्तव्य में डॉ. साध्वी गंवेषणा श्रीजी ने कहा जीवन में सर्वाधिक सुख देने वाला स्थान हमारा घर-परिवार है। इसकी समृद्धि का आधार प्रेम, सेवा, करूणा और दयालुता है। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती जोशीला पगारिया ने अतिथि देवो भवः की परम्परा का निवर्हन करते हुए सभी का स्वागत किया। इस सेमिनार के दूसरे चरण में साक्री महिला मंडल के 25 वर्षों के सफर की जानकारी हर्षा पगारिया व आरती कांकरिया ने दी। साध्वीश्री भत्तूजी की प्रेरणा से इस क्षेत्र में तेरापंथ की श्रद्धा के परिवार बने और सबने अपना विकास किया। इस कार्यक्रम में डॉ. विजयाबाई अहिराव (बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ प्रदेशाध्यक्ष), डॉ. श्रीमती अनुराधा लोया (ग्रामीण रूग्नालय साक्री तालुका), श्रीमती सोनाली ताई नागरे (नगर सेविका), अर्चनाताई भोसले (नगर सेविका), माहेश्वरी वेसले मैडम (मा. सरपंच कसारे), श्रीमती एच.पी. पाटिल (आंगनबाड़ी निरीक्षक), श्रीमती मंगलाताई पारख (अंधश्रद्धा निर्मूलन धूलिया जिला अध्यक्ष), श्रीमती प्रभावती टाटिया (स्थानकवासी महिला मंडल अध्यक्ष) सहित स्थानीय सभी तेरापंथ संस्थाओं के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। खानदेश स्तरीय इस कार्यशाला में 19 क्षेत्रों की बहनों की सहभागिता रही। आभार ज्ञापन मंत्री हर्षा कांकरिया ने किया।

जयसिंगपुर - अभातेममं के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल जयसिंगपुर द्वारा आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में पश्चिम महाराष्ट्र स्तरीय सुखी और समृद्ध परिवार सेमिनार का आयोजन विदुषी साध्वीश्री लावण्यश्रीजी आदि ठाणा 3 के सान्निध्य एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कोलकाता के कला मंदिर से इन सेमिनारों का भव्य आगाज हुआ था और आगाज की आवाज बंगाल से पंजाब (लुधियाना) और पंजाब से महाराष्ट्र के साक्री और अब जयसिंहपुर तक पहुँच गई। एक सप्ताह में यह चौथा सेमिनार हुआ।

कार्यक्रम की शुभ शुरुआत तेरापंथ महिला मंडल इचलकरंजी के सुमधुर स्वरों से महाप्रज्ञ अष्टकम से हुई। सेमिनार की सफलता के लिए असाधारण साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी से प्राप्त मंगल संदेश का वाचन साध्वीश्री सिद्धांतश्री ने किया। महाराष्ट्र प्रभारी श्रीमती जयश्री जोगड़ ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के बहुआयामी व्यक्तित्व के बारे में बताते हुए कहा कि आप रचनात्मक कार्यों में विश्वास रखने वाली है और उसी दिशा में आपने कार्य किए हैं। आचार्य महाप्रज्ञ जी की जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आचार्य प्रवर द्वारा डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के साथ लिखी गई Happy and Harmonious Family पुस्तक के आधार पर सेमिनारों का आयोजन कर उनके प्रति अभ्यर्थना व्यक्त करना उसी रचनात्मकता का परिचायक है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री जयचंद लूंकड़ (सांगली) ने विषय के संदर्भ में अपनी बात प्रस्तुत करते हुए कहा कि नारी ही सुखी व समृद्ध परिवार की कुंजी है क्योंकि वह संस्कारों की धरोहर को भावी पीढ़ी में संप्रेषित करती है। तीन पीढ़ियों की सोच के बीच सेतु का कार्य करती है। क्या मिला वह महत्वपूर्ण है, कितना मिला इस सोच से परे स्वस्थ जीवन शैली को अपनाकर सुखी व समृद्ध परिवार की कल्पना को साकार किया जा सकता है। साध्वी श्री सिद्धियशाजी ने इसी क्रम में फरमाया कि बच्चों को जैसा सिखाएंगे वैसा ही वह सीखेंगे। बच्चों को स्वस्थ परिवार का वातावरण देना है तो पहले स्वयं स्वस्थ आचरण करें। तीन T - Trust, Time, Talking अगर यह चीजें साथ हो तो परिवार रीति-रिवाजों के साथ वाद-विवाद से दूर रसमय रिश्ते निभा सकते हैं। आचार्य महाप्रज्ञ के मेडिटेशन से सब टेंशन दूर करके Happy and Harmonious Family बन सकता है। मुख्य अतिथि श्रीमती नीता माने ने कहा कि परिवार नीड़ की तरह है जहाँ दिन भर

का थका मांदा पक्षी आकर विश्राम करता है जब घड़ी में 12.00 बजने का समय होता है तो सारे कांटे एक ही जगह पर आ जाते हैं, वैसे ही परिवार के किसी सदस्य के साथ कुछ असंभावित 12.00 बजने वाली सी स्थिति हो तो सबको एक साथ मिलकर उसका सहयोग करना चाहिए। महाराष्ट्र प्रभारी श्रीमती निर्मला चंडालिया ने कहा कि मैं की जगह हम का प्रयोग करें। अति महत्वाकांक्षाओं को छोड़ स्वयं का मूल्यांकन करें कि रिश्तों की हर कड़ी में आप स्वयं कैसे हैं – चाहे मां हो, बेटी हो, सास हो या फिर बहु। स्त्री व पुरुष दोनों में ही विनय, समर्पण, सहनशीलता आदि आदि गुणों का समावेश हो तो सुखी व समृद्ध परिवार की कल्पना स्वतः सार्थक हो जाती है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने अध्यक्षीय वक्तव्य में विषय के संदर्भ में कहा कि शिक्षा की ज्योत जली, संस्कारों की डोर पड़ी ढीली, बिखरने लगे संस्कार, टूटने लगे परिवार, तभी आचार्य महाप्रज्ञ जैसे मसीहा ने लिया अवतार। ऐसे मसीहा की जन्मशती के उपलक्ष में समग्र नारी समाज की अभिवंदना – श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए उस महामनीषी की अमूल्य कृति जिसमें सुखी समृद्ध परिवार की कल्पना है उसे साकार करने के लिए इन सेमिनारों का आयोजन अभातेममं के निर्देशन में किया जा रहा है। आपने अपने ओजस्वी वक्तव्य में कहा कि अतीत में जहां परिवार के एक सदस्य की खुशी में सब खुश और एक के दुख में सभी दुखी हो जाते थे। भजन व भोजन साथ मिलकर होते थे, किंतु आज स्थितियां बदल गई है Empowerment से आकाश को छूने की चाह के साथ आपसी Connection भी जरूरी है। सुखी समृद्ध परिवार के लिए दूसरों से उम्मीद करने के बजाय स्वयं उसी बात को अमल में लाएं। बेटियों के लिए जरूरी है कि जब वे बहुंए बनती है तो अपने दो साल उस परिवार के लिए समर्पित कर दे ताकि 100 साल की नींव मजबूत हो जाए और पूरा परिवार आपके अनुरुप हो जाए। महिलाओं को सहनशीलता का परिचय देना है। Accept व Adjust करना सीखे और Argue व Abuse करना छोड़ दें, Better to best में Believe करें और Back Answer व Blackmail करना बंद करें। Communication से Caring बने ना कि Confusion create करें ना ही Criticize करें, आपस में Discussion और Discipline develop करें, Demand से दूर रहें व Discriminate नहीं करें। डिग्री व सिर्फ दौलत से परिवार सुखी नहीं बनेगा बल्कि प्रमोद भावना, समर्पण, विनय और सहनशीलता से परिवार सुखी बनेगा।

साध्वी श्री लावण्यश्रीजी ने अपने पावन उद्‌बोधन में फरमाया कि जो संकल्पों को संजोकर आगे बढ़ता है वह सब कुछ प्राप्त कर लेता है। आज की महिलाएं सशक्त हो गई है, उन्हें आगे बढ़ना है लेकिन कहीं ना कहीं कुछ छूट रहा है। उस छूटने की तरफ ध्यान देना अपेक्षित है। सब के विकास को देखना व सीखना है तो हमें अपनी साध्वीप्रमुखाश्रीजी को देखना है जो इतने बड़े श्रमणी परिवार का कैसे विकास कर रही है। चित्रकार के रूपक से साध्वीश्रीजी ने बताया कि सबसे बड़ी वस्तु जीवन में शांति है जो श्रद्धा प्रेम के साथ रहती है और यह तीनों सुखी परिवार में ही मिलती है। दिलों में दरार होने से दीवारें खींच जाती है, हमें सजगता से कर्तव्य और दायित्व का निर्वाह करना है जिससे दरारे न पड़े और इसमें सबसे अहम भूमिका महिलाओं की है। संस्कारों की संपदा के साथ आगे बढ़ें एवं अभातेममं के अभियान को सार्थकता प्रदान करें।

नवमनोनीत अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बरडिया ने सबका स्वागत किया एवं प्रथम बार राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन पर हर्ष अतिरेक की अनुभूति व्यक्त की। हम नया सवेरा लाए गीत पर जयसिंगपुर युवती मंडल द्वारा सुंदर प्रस्तुति दी गई। इस कार्यक्रम में तेरापंथ सभा जयसिंगपुर अध्यक्ष श्री अशोक रूणवाल, इचलकरंजी सभा अध्यक्ष श्री दीपचंद तलेसरा, अभातेयुप रा.का.स. श्री संजय वैदमेहता, श्रीमती श्वेता पगारिया ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में श्रीमती भावना शाह श्रीमती ज्योत्सना शाह (गुजराती महिला मंडल), श्रीमती कुसुम चौधरी (मूर्तिपूजक महिला मंडल), श्रीमती कुसुम बरडिया (स्थानकवासी महिला मंडल) आदि स्थानीय मंडल सहित इचलकरंजी, माधवनगर, सांगली, कोल्हापुर व सोलापुर की सभी संस्थाओं के सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति रही। आभार ज्ञापन मंत्री श्रीमती राजकुमारी बरड़िया ने किया। कार्यक्रम का सफल संचालन ममता रूणवाल व जल्पा बरड़िया ने किया।

विदेश की धरा पर भी Happy and Harmonious Family सेमिनार की गूंज

केलिफोर्निया – आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष पर अखिल भारतीय महिला मंडल के निर्देशन में Happy and Harmonious Family सेमिनार का आयोजन भारत से हजारों मील दूर केलिफोर्निया में समणी मलयप्रज्ञा जी व समणी नितिप्रज्ञा जी के सान्निध्य में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के द्वारा किया गया। उसके बाद स्वस्थ परिवार गीत का संगान राष्ट्रीय प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती प्रभा घोड़ावत एवं श्रीमती नेहा जी गोलछा द्वारा किया गया। आज की इस कार्यशाला की प्रमुख वक्ता एवं मोटिवेटर समणी मलयप्रज्ञा जी थी। राष्ट्रीय प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती प्रभा घोड़ावत ने इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। उसके बाद श्री महेश जैन, श्रीमती ज्योति बैद, श्रीमती नेहा खटेड़, श्रीमती निशा गोलछा और श्री पारस श्यामसुखा आदि ने भी इस विषय पर अपने विचारों की अभिव्यक्ति दी। श्री महेश जैन के घर पर इस सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का समय रात के 8 बजे का रखा गया था। लेकिन यह कहते हुए बड़ा हर्ष हो रहा कि रात के 11 बजे तक भी लोगों में स्थिरता बनी रही। अमेरिका जैसे जगह पर 25–30 जनों की गरिमामय उपस्थिति रही। बहुत ही अच्छे व सौहार्द पूर्ण वातावरण में सेमिनार संपन्न हुआ। श्री महेश जैन ने आभार व्यक्त किया। वाकई में यह सेमिनार बहुत अद्भुत था जिसे वहाँ के लोग कभी भूल नहीं सकेंगे। इस सेमिनार को सफल बनाने में राष्ट्रीय प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती प्रभा घोड़ावत का अथक प्रयास रहा।

बार्टलेट शिकागो (इलिनोइस) अमेरिका – अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में समणी निर्देशिका सन्मति प्रज्ञाजी एवं समणी जयन्त प्रज्ञाजी के सान्निध्य में अभातेममं प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती प्रभा घोड़ावत के प्रयास से केलिफोर्निया के बाद शिकागो शहर के बार्टलेट एरिया में ''Happy and Harmonious Family'' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। समणी निर्देशिका सन्मति प्रज्ञाजी ने अपने वक्तव्य में कहा परिवार में खुशहाली और समत्व रखने के लिए कुछ बातें आवश्यक है – जो व्यक्ति जिस तरह के व्यक्तित्व रूप का है उसे उसी तरह अपना लेना, उदारता रखना और सम्मानजनक भाषा का प्रयोग – यह कुछ ऐसे टिप्स है जो इंसान को हर परिस्थिति में खुशी और संतुलन का जीवन दे सकता है। समणी जयंत प्रज्ञा जी ने अनुप्रेक्षा का प्रयोग करवाया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र एवं महाप्रज्ञ अष्टकम के द्वारा किया गया। तत्पश्चात् स्वस्थ परिवार गीत का संगान इंदौर के पूर्वाध्यक्ष श्रीमती सुमन जी दुगड़ द्वारा किया गया। आभार व्यक्ति श्रीमती निलिशा जैन ने किया।

देश भर के विभिन्न महानगरों में हुए बहुआयामी कार्यक्रम

गुवाहाटी महिला मंडल का लक्ष्य..... उड़ान मंजिल की ओर

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा एवं महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में गुवाहाटी महिला मंडल ने साध्वीश्री संगीतश्रीजी के सान्निध्य में ''लक्ष्य... उड़ान मंजिल की ओर'' कार्यशाला के प्रथम चरण का आयोजन किया गया। बहनों के मंगल संगान के पश्चात् साध्वीश्रीजी ने पाथेय प्रदान करते हुए कहा जीवन में लक्ष्य निर्धारण कर उसके पथ में आध्यात्मिकता को शामिल कर व्यक्ति अपने अंतिम लक्ष्य मोक्ष की राह को आसान बनाता है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सेवा, समर्पण, सामंजस्य के साथ संघ व संघपति के प्रति पूर्ण आस्था से लक्ष्य का मार्ग आसान हो जाता है यह कहते हुए सभी को ऊँची उड़ान के साथ पैर सदैव जमीं पर रखने की प्रेरणा दी। महामंत्री ने लक्ष्य शब्द की व्याख्या करते हुए कहा कि लगातार क्षमताओं का विकास करते हुए यथार्थ के धरातल पर रहकर लम्बी उड़ान भरे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रंजू बरड़िया ने किया।

बहुआयामी कार्यक्रम के अन्तर्गत मंडल द्वारा दोपहर में कामाख्या रेल्वे स्टेशन पर 21 बैंचों का उद्घाटन श्रीमती कुमुद कच्छारा एवं श्रीमती नीलम सेठिया के कर कमलों से करवाया गया। स्टेशन सुपरिटेंडेंट श्री अशोक डे का सम्मान किया गया व उन्होंने महिला मंडल के कार्य की सराहना की।

शाम को ''लक्ष्य'' उड़ान मंजिल की ओर कार्यक्रम का दूसरा चरण माछखुवा आईटीए सेंटर में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता में एक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया, राष्ट्रीय सहमंत्री श्रीमती रंजु लुणिया भी उपस्थित थी। गुवाहाटी मंडल की अध्यक्ष श्रीमती विद्या कुंडलिया ने अपने स्वागत भाषण में मंडल की बहनों के सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। मंडल मंत्री श्रीमती मीरा सुराणा ने मंडल की गतिविधियों की विस्तृत रूप से जानकारी दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री ने भी अपने संबोधन में गुवाहाटी महिला मंडल के कार्य कलापों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। आईटीए सेंटर का पूरा प्रेक्षागृह तेरापंथ महिला मंडल की सदस्यों के केसरिया गणवेश के रंग में रंगा हुआ था। कार्यक्रम के आयोजकों एवं अनुदान दाताओं का भी सम्मान किया गया। सभी पूर्व अध्यक्षों का केसरिया साड़ी से सम्मान किया गया। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृति संध्या में गुवाहाटी मंडल की सदस्यों द्वारा मंचन किया गया, नाटक काफी आकर्षण का केन्द्र रहा। इस नाटक में बाल विवाह जैसी कुरीतियों को बड़े ही भावुक तरीके से प्रस्तुत किया गया। महिला सशक्तिकरण का संदेश देने वाला यह नाटक दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया। अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी मनमोहक प्रस्तुति रही। कार्यक्रम में बैंगलोर से पधारे संघगायक मनीष जी पगारिया ने भी भावपूर्ण प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में तेरापंथ युवक परिषद् का सक्रिय योगदान रहा। कार्यक्रम का कुशल संयोजन उपाध्यक्ष श्रीमती रंजु खटेड़ ने किया। सभी पदाधिकारी, कार्यकारिणी एवं सदस्यों के सहयोग से कार्यक्रम सफल रहा।

सी-स्कीम महिला मंडल जयपुर की ऊँची उड़ान

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की सक्रिय शाखा जयपुर सी - स्कीम महिला मंडल द्वारा राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती नीलम जी सेठिया व कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा की गरिमामय उपस्थिति में एक ही दिन में 6 बहुआयामी कार्यक्रम संपन्न कर विशेष उपलब्धि हासिल की गयी। अध्यक्ष श्रीमती सुशीला चोपड़ा और मंत्री कनक दुधोड़िया तथा सभी सदस्य बहनों के अथक प्रयासों से यह संभव हो पाया।

1. सक्रियता की मिसाल स्वरूप 5 वें कन्या सुरक्षा स्तंभ का उदघाटन भानपुर कला गांव में राजकीय कन्या विद्यालय में किया गया।

2. कन्या सुरक्षा स्लोगन- लिखित बैंचो का लोकार्पण जयपुर के दर्शनीय पार्क जवाहर सर्किल पर किया गया।

3. महिला विकास केन्द्र निर्माण नगर का उद्घाटन महामंत्री नीलम जी सेठिया द्वारा कराया गया ।

4. अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार सी-स्कीम महिला मंडल के 6वें फिजियोथेरेपी सेंटर का उद्घाटन महामंत्री के हाथों हुआ।

5. महामंत्री द्वारा 40000 कॉपियों जिसमें एक तरफ नमस्कार महामंत्र तथा एक तरफ कन्या सुरक्षा स्लोगन प्रकाशित है उनका विमोचन किया गया। इन कॉपियों का वितरण दौसा जिले एवं जयपुर की राजकीय विद्यालयों में होगा।

6. सोच बदले - दुनिया बदले कार्यशाला

ज्ञानशाला के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनि श्री उदित कुमारजी के पावन सानिध्य में यह कार्यशाला आयोजित हुई। मुनि श्री ने फरमाया कि - सोच को सम्यक बनाकर कषायों को नियंत्रित कर ले तो जीवन का विकास हो सकता है । महामंत्री नीलम सेठिया ने प्रभावी वक्ता के रूप में ओजस्वी प्रशिक्षण देते हुए कहा कि विचारों की सकारात्मकता को अवचेतन मन तक पहुंचा कर ही हम अपने जीवन को सुंदर - सफल एवं भव्य बना सकते है । अखिल भारतीय सहमंत्री विजयलक्ष्मी भूरा ने कहा कि बहनों को सदा ''मैं मंडल की हूं तथा मंडल मेरा है ऐसा भाव रखना चाहिए''। इस कार्यशाला का आगाज़ श्रीमती सुधा दुगड़ के सुमधुर गीत से हुआ। कार्यक्रम का कुशल संचालन राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने किया। अध्यक्ष श्रीमती सुशीला चौपड़ा ने तहे दिल से सबका स्वागत किया व मंत्री श्रीमती कनक दुधोडिया ने मंडल की गतिविधियों से सबको अवगत कराया।

हैदराबाद मंडल के विकास का विज़न, आया उद्घाटन का सीज़न

आचार्य महाश्रमणजी के आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनि श्री अर्हत कुमारजी स्वामी के सान्निध्य में विकास की ओर अभिनव दिशाएं कार्यशाला में अ. भा. ते. म. मं. महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। सत्र का शुभारंभ महामंत्रोच्चार एवं सुमधुर मंगलाचरण से हुआ। मुनिश्री ने उद्बोधन देते हुए फरमाया कि कार्य करने की अटूट आस्था हो, जो पद से परे रहे, वह व्यक्ति कार्यकर्ता कहलाता है। गुरुदेव पधार रहे हैं, सभी श्रावक कार्यकर्ता बने। मुनि श्री भरत कुमारजी ने सभी को पाथेय प्रदान किया। नीलम सेठिया ने कहा कि ''वि'' - विश्वास करो, ''क'' - क्रियान्वयन करो तो ''स'' - सफलता आपके सामने होगी। विकास शब्द में ही पूरी कार्यशाला का सार निहित है। उन्होंने बहुत ही रोचकता के साथ लाइफ पैराशूट से सेफ लैंडिंग की तकनीक बताई। स्थानीय अध्यक्ष रीटाजी सुराणा, परामर्शक सरोजजी भंडारी, रा का स प्रभाजी दुगड़, ते. यु. प. अध्यक्ष ने अपने विचार रखे। कार्यशाला में मुख्य अतिथि स्मिताजी दुगड़ ने अपने विचार व्यक्त किये। खुले सत्र में महामंत्री ने सभी की जिज्ञासा का समाधान दिया। आभार ज्ञापन मंत्री अल्पनाजी दूगड़ ने दिया। संचालन कविताजी आच्छा ने किया।

कार्यक्रम के पश्चात प्रेस कॉन्फ्रेंस रखी गई, जिसमें वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित थे। कार्यक्रम के दूसरे चरण में उद्घाटन का दौर शुरू हुआ। सर्वप्रथम फिजियोथैरेपी का उद्घाटन -ATDC के प्रांगण में किया गया। वहां से काफिला बस व गाड़ियों द्वारा बोलाराम स्थित गवर्नमेंट स्कूल पहुंचा। जहां महामंत्रोच्चार के साथ उद्घाटनकर्ता महामंत्री नीलम जी सेठिया के हाथों से कन्या सुरक्षा स्तम्भ का उद्घाटन किया गया तत्पश्चात् असेंबली शेड, बेंच एव' शौचालय का उद्घाटन भी महामंत्री ने किया। स्कूल के लगभग 300 बच्चे कार्यक्रम में उपस्थित रहे। संचालन अल्पना दूगड़ ने व आभार ज्ञापन सह मंत्री सरला प्रकाश भूतोड़िया ने किया । बोलाराम अध्यक्ष दमयंतिजी ने व उनकी टीम ने भी सहभागिता दर्ज कराई। कार्यशाला के साथ 4 उद्घाटन हैदराबाद महिला मंडल का श्रम मुखरित होकर विकास का परचम फहरा रहा था।

विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन

जलगाँव - महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी की विदुषी सुशिष्या साध्वीश्री निर्वाणश्रीजी आदि ठाणा-6 के पावन सान्निध्य में अभातेममं द्वारा निर्देशित कार्यशाला ''सिंचन'' का सफल आयोजन हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता में यह मासिक कार्यशाला Connection with Next Generation जैन हिल्स, जलगाँव में आयोजित हुई। प्रकृति के सुरम्य प्रांगण में भक्ति और शक्ति के प्रतीक केसरिया परिधान में कार्यशाला अत्यंत मनमोहक रही। उपस्थित महिला समाज को संबोधित करते हुए विदुषी साध्वीश्री निर्वाणश्री जी ने कहा - आप रिश्तों के साथ दो शब्द अपने मन में स्थित कर दें। सम्यक् चिंतन - सबका चिन्तन सही हो। कभी चिन्तन को नकारात्मक न बनाएं सम्बन्धों में कटुता नहीं रखे तो जिंदगी आनंदमय बन जाएगी। सम्यक् व्यवहार रिश्तों की समरसता का मूलाधार है। दे सकें तो दूसरों को स्नेह दे, वात्सल्य दे, पर तर्क में अपनी शक्ति न खर्च करें। कार्यशाला की निर्देशिका प्रबुद्ध साध्वीश्री डॉ. योगक्षेमप्रभाजी ने अपने संयोजकीय वक्तव्य में कहा - रिश्तों का ''आर'' आपकी Responsibility की ओर इंगित करता है। रिश्तों का ''आई'' Interaction with Impression की प्रेरणा देता है। ''एस'' से Sympethy के साथ सुख-दुःख बांटे। ''टी'' से Tolerance और ''ए'' से Adjust सीखें। तो रिश्तें फूलों का महकता गुलदस्ता बनेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रखर वक्ता कुमुद कच्छारा ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा - आज की पीढ़ी रिश्तों की ए, बी, सी, डी की नींव पर नए युग में प्रवेश कर रही है। आज की पीढ़ी स्पष्ट है एवं दिल से साफ है। एक्सेप्ट करे एडजस्ट भी करे, आरग्यूमेंट न करें, एब्यूज न करें, विश्वास करें जिससे परिवार में शक न हो, बेटर टू बेस्ट बने परस्पर संवादिता स्थापित करें तो हर पीढ़ी खुशहाल रह सकती है। कार्यक्रम का शुभारम्भ महिला मंडल के गीत - हो संकल्प, सत्य, शिवं सुंदर के मधुर संगान से हुआ। मंडल की अध्यक्ष संतोष छाजेड़ ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। श्रीमती निर्मला छाजेड़ ने सभी अतिथियों का परिचय दिया। पचरंगे दुपट्टे से सबका स्वागत तेरापंथ महिला मंडल जलगांव की बहनों ने किया। तेरापंथ महिला मंडल की युवती बहनों ने ''कार्यशाला'' का थीम सोंग प्रस्तुत किया। कन्या मंडल की कन्याओं ने ''सतिवर ज्ञान दो हमें'' गीत की प्रस्तुति दी। श्रीमती शोभा बैद, नम्रता सेठिया, नेहा लुणिया व पूजा मालू ने रोचक Skit की प्रस्तुति दी जिसे श्रीमती मंजुषा

डोशी ने तैयार किया।

साध्वीश्री लावण्यप्रभाजी, साध्वीश्री कुंदनयशाजी, साध्वीश्री मुदितप्रभाजी व साध्वीश्री मधुरप्रभाजी ने ''संबंधों का बंधन पावन'' गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया। राष्ट्रीय परामर्शक श्रीमती प्रेमलताजी सिसोदिया ने साध्वीश्री जी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता प्रकट करते हुए सिंचन के संदर्भ में अपने उद्‌गार प्रकट किए। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य भाग्यश्री कच्छारा ने अपने भावों की प्रस्तुति देते हुए साध्वीश्री जी के प्रति अहोभाव प्रकट किया। इस कार्यक्रम में खानदेश सभा के अध्यक्ष अनिल जी सांखला, सभाध्यक्ष माणकचंदजी बैद, मंत्री नवरतनजी, तेयुप के अध्यक्ष राजेश धाड़ेवा आदि ने अपने उद्‌गार प्रकट किए। राष्ट्रीय ट्रस्टी प्रकाशदेवी तातेड़ की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यशाला का प्रथम सत्र 9.30 से 12.15 तक अविरल सफलतापूर्वक संचालित हुआ। द्वितीय सत्र ''संप्रेरणा'' 1.00 से 3.00 बजे तक आयोजित हुआ। धन्यवाद ज्ञापन नम्रता सेठिया ने किया।

गोविन्दगढ़ – अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता तथा निर्वतमान महामंत्री श्रीमती सुमन नाहटा व पंजाब प्रभारी श्रीमती उषा जैन की गरिमामय उपस्थिति में सृजन कार्यशाला का आयोजन गोविंदगढ़ महिला मंडल द्वारा किया गया। शासन श्री मुनि विजय कुमारजी के मंगल सान्निध्य में आयोजित इस कार्यशाला में नाभा, पटियाला, चंडीगढ़, गोविन्दगढ़, पंचकूला, अमलोह, सुनाम क्षेत्रों की महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का प्रारंभ गोविन्दगढ़ महिला मंडल के स्वागत गीत से हुआ। मंत्री सुनीता जैन व स्थानीय सभा अध्यक्ष श्री जोगिंदर पाल ने सभा की ओर से अतिथियों का स्वागत किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए शासन श्री मुनि विजयकुमारजी ने सभी संभागियों से कहा – आज की यह कार्यशाला अभातेममं की अध्यक्ष के आगमन से विशिष्ट बन गई है। नारी सृजन धर्मा होती है, वह बच्चे को जन्म ही नहीं जीवन भी देती है। सृजन की अद्‌भुत क्षमता नारी में है। इतिहास में इस तरह की अनगिनत घटनाएं पढ़ने को मिलती है, जहाँ स्त्री ने भटके हुए पुरुष को सही मार्ग दिखाया। शासनश्री ने इस अवसर पर मोबाइल की गुलामी छोड़ने की प्रेरणा भी दी। पारिवारिक रिश्तों को रसहीन बनाने में मोबाइल मुख्य कारण बन रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने वक्तव्य में कहा – हर महिला में सृजन की अपार शक्ति भरी हुई है। अपनी शक्तियों का सही प्रयोग करे तो वह विकास के चरम शिखर को छू सकती है। अपनी क्षमताओं को जगाने के लिए उसे पुरुष पर आश्रित नहीं रहना चाहिए। निवर्तमान महामंत्री श्रीमती सुमन नाहटा ने अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की संघीय और संस्थागत गतिविधियों की सभी को जानकारी दी। पंजाब प्रभारी उषा जैन ने सभी महिला मंडलों को गुरु सेवा के लिए प्रेरित किया और बच्चों को संस्कार देने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में लक्ष्मी मित्तल ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का कुशल संयोजन सुमिता खुल्लर ने किया कार्यशाला संपन्न के पश्चात् राष्ट्रीय अध्यक्ष व टीम ने सहभागी सभी शाखा मंडलों की सार संभाल करते हुए संगोष्ठी की, उनकी समस्याओं का समाधान किया और सक्रियता की प्रेरणा दी।

बैंगलुरु के शाखा मंडलों की शपथ विधि में महामंत्री की उपस्थिति

असाधारण साध्वीप्रमुखाश्री कनक प्रभाजी के सान्निध्य में राजराजेश्वरी नगर में वृहद महिला मंडल बैंगलुरु के 6 शाखा मंडल का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण के द्वारा हुई। तत्पश्चात् मातृ हृदया साध्वीप्रमुखाश्रीजी ने फरमाया कि विकास की संभावनाएं अनन्त है कहा जाता है जब तक पेड़ की जड़ें मजबूत है तक तक पेड़ समृद्ध रहेगा – ठीक इसी प्रकार पूर्व पदाधिकारी को जोड़कर नई कार्यकर्ता को भी जोड़ना चाहिये तभी महिला मंडल का कार्य गति करता रहेगा।

6 शाखा मंडल की अध्यक्षों को श्रीमती नीलम सेठिया के द्वारा शपथ दिलाई गई। मातृहृदया प्रमुखाश्रीजी, अभातेममं की महामंत्री, एवं पधारे हुए सभी को आभार महिला मंडल बैंगलुरु गांधी नगर की अध्यक्ष श्रीमती शांति संकलेचा ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम की शुरुआत में बैंगलुरु राजराजेश्वरी की अध्यक्ष श्रीमती कंचन छाजेड़ ने स्वागत किया एवं कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सुधा दुगड़ ने किया।

देश के विभिन्न स्थानों में आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सैन्टर का भव्य शुभारम्भ

गुवाहाटी : अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में गुवाहाटी महिला मंडल द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया के नेतृत्व में आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेंटर इन एसोसिएशन विथ डायनामिक फिजियोथैरेपी सेंटर का शुभारम्भ किया गया। सेंटर में राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती आरती राकेशजी कठोतिया के सौजन्य से अभातेममं द्वारा उपकरण उपलब्ध करवाये गये। इस मौके पर राष्ट्रीय सहमंत्री श्रीमती रंजू लुनिया भी शिलांग से उपस्थित थी। समारोह में गुवाहाटी महिला मंडल के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

ACHARYA MAHASHRAMAN PHYSIOTHERAPHY CENTRE

लुधियाना : मुनिश्री हिमांशु कुमारजी के चातुर्मासिक मंगल प्रवेश के कार्यक्रम के पश्चात् मंगलपाठ श्रवण कर लुधियाना के भाई-बहन इस सेंटर के लोकार्पण की ओर अग्रसर हुए। इस सेंटर का लोकार्पण राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा के करकमलों द्वारा हुआ। नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से प्रारंभ इस कार्यक्रम में बारिश के बावजूद भी बहुत ही अच्छी संख्या में भाई-बहनों की उपस्थिति रही। इस उपक्रम के लोकार्पण कार्यक्रम में अभातेममं की निवर्तमान महामंत्री श्रीमती सुमन नाहटा, रा.का.स. पंजाब प्रभारी श्रीमती उषा जैन, सभा अध्यक्ष श्री रायचंदजी, तेयुप अध्यक्ष श्री तरूण सुराणा एवं दोनों संस्थाओं की पूरी टीम ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर महिला मंडल के कार्यों के प्रति प्रमोद भावना व्यक्त की। लुधियाना मंडल की अध्यक्ष श्रीमती मंजू बैद ने सभी का स्वागत किया तथा बहनों ने स्वागत गीत की सुंदर प्रस्तुति दी। अग्रनगर तेरापंथ भवन में बने इस सेंटर के लोकार्पण समारोह में वहां की सभी संस्थानों के पदाधिकारियों व सदस्यों ने सहभागी बनकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। उपासक श्रेणी के राष्ट्रीय सह संयोजक श्री सूर्यप्रकाशजी श्यामसुखा की विशेष उपस्थिति रही। सभा के निवर्तमान अध्यक्ष श्री कमल नवलखा व पूर्व रा.का.स. साजल जैन का सहयोग विशेष रूप से सराहनीय रहा। तेममं लुधियाना की मंत्री श्रीमती प्रमिला पुगलिया ने सभी का आभार ज्ञापित किया। इस सेंटर के संचालन हेतु राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती आरती राकेशजी कठोतिया (लाडनूं-मुंबई) द्वारा उपकरण प्रदान किए गए। कठोतिया परिवार के प्रति हार्दिक धन्यवाद।

जयपुर (सी-स्कीम) : अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल सी-स्कीम द्वारा 5वें फिजियोथैरेपी सेन्टर का उद्घाटन ''प्रयास'' स्कूल में किया गया। जिसमें 114 स्पेशल बच्चे है। इन बच्चों को प्रतिदिन फिजियोथैरेपी की जरूरत होती है। ज्ञानशाला के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री उदितकुमारजी से मंगल पाठ सुनकर फिजियोथैरेपी का शुभारम्भ डॉ. शैल चोयल (स्कूल के चैयरमेन), मिस रश्मि चंद्रा, श्रीमान संजय जैन, श्रीमती रवीन्द्र चीना, श्रीमान आर.के. मोहला, मिस सीमा सिंह (कामर्शियल पायलट), श्रीमान के.पी. सिंह, अखिल भारतीय के कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, सहमंत्री विजयलक्ष्मी भूरा, मंडल की अध्यक्ष श्रीमती सुशीला चौपड़ा, मंत्री श्रीमती कनक दुधोड़िया, उपाध्यक्ष श्रीमती प्रेम दुगड़, उपासक एवं फिजियोथैरेपी के प्रायोजक श्रीमती प्रेम बोथरा एवं मंडल की पदाधिकारी बहनें तथा अणुव्रत समिति अध्यक्ष रीना जी गोयल, सभा अध्यक्ष ओमप्रकाश जी जैन, मंत्री राजेन्द्र जी बांठिया, टी.पी.एफ. अध्यक्ष डॉ. अनिल भंडारी, युवक परिषद् अध्यक्ष श्रेयांस पारख, मंत्री श्रेयांस बैंगानी एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हुआ।

उत्साह और उमंग से लबरेज महिला मंडल जयपुर सी-स्कीम ने मानव सेवार्थ किए जाने वाले कार्य को बखूबी अंजाम दिया। छठें फिजियोथैरेपी सेंटर का उद्घाटन अभातेममं की महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया के द्वारा हुआ। महामंत्री ने मंडल के द्वारा किये जाने वाले कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि कार्यकाल परिसंपन्नता की ओर है फिर भी ढलते हुए सूरज की तेजस्विता की तरह बहनें पूर्ण जोश के साथ कार्य कर रही है। लोकार्पण समारोह में अभातेममं कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, सहमंत्री श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा, सी-स्कीम अध्यक्ष श्रीमती सुशीला चौपड़ा, मंत्री श्रीमती कनक

दुधोड़िया, उपाध्यक्ष श्रीमती प्रेम दुगड़, मानव सेवा ट्रस्ट के चैयरमैन रिटायर्ड आरएएस नत्थूलालजी वर्मा व टीचर कौशल किशोरजी वर्मा, प्रायोजक श्रीमती सुशीला नखत व श्रीमती सुशीला पुगलिया आदि की उपस्थिति रही।

हैदराबाद : हैदराबाद महिला मंडल द्वारा आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेंटर का उद्घाटन ATDC के प्रांगण में महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया के द्वारा करवाया गया संयोजिका जूली बैद एवं शिखा नौलखा ने कुशल संचालन किया। फिजियोथैरेपी सेंटर के उद्घाटन में श्री प्रवीण श्यामसुखा, श्री जयसिंह सुराणा, तेयुप अध्यक्ष श्रीमान श्रवण कोठारी आदि का पूर्ण सहयोग रहा।

जयपुर शहर : अभातेममं की मानव सेवा को समर्पित एक स्थायी योजना आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेन्टर। योजना को मूर्त रूप दे रहे हैं अभातेममं के शाखा मंडल। इसी क्रम में जयपुर शहर मंडल द्वारा सेठी कॉलोनी में स्थित मनोरोग चिकित्सालय में फिजियोथैरेपी सेन्टर का शुभारम्भ हुआ। राजस्थान में मनोरोगियों का थैरेपी से चिकित्सा करने वाला यह प्रथम सेन्टर है। विशेषज्ञ का कहना है कि इस थैरेपी से संवेदी क्षमता का विकास होता है, जो कि मनोरोगियों के इलाज के लिए जरूरी है। विशिष्ट अतिथि विधायक रफीक खान ने महिला मंडल के मानव सेवार्थ स्थापित किये गये इस कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस सेंटर के निर्माण से सैंकड़ों लोग लाभान्वित होंगे, यह मानवता का परिचायक विशिष्ट कार्य है। डॉ. संजय जैन, सुप्रिडेंट ने महिला मंडल का आभार प्रदर्शित किया। महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मधु श्यामसुखा ने सभी का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सुधीर भंडारी (प्रिंसिपल, एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज), डॉ. आर. के. सोलंकी (विभागाध्यक्ष), डॉ. गुंजन सोलंकी (इंचार्ज शिशु मनोरोग चिकित्सा) आदि की उपस्थिति रही। इस सेंटर निर्माण कार्य में उल्लेखनीय बात यह रही कि प्रायोजक ने अर्जन के साथ विसर्जन को अपनाते हुए अपना नाम गुप्त रखा। उद्घाटन के पश्चात् विसर्जन रैली निकाली गई। मंत्री शंकुतला चौरड़िया ने आभार ज्ञापन किया।

इसी क्रम में जयपुर शहर महिला मंडल द्वारा मानसिक विमंदित गृह में भी एक और सेंटर का उद्घाटन माननीय श्री रफीक खान (विधायक), श्रीमान अमित कौशिक (एडीशनल डायरेक्टर) के द्वारा करवाया गया। इस कार्यक्रम में अभातेममं से आ. महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेन्टर संयोजिका श्रीमती विमला दुगड़ की विशेष उपस्थिति रही।

नेपाल की धरा पर प्रथम फिजियोथैरेपी सेन्टर

काठमांडू : अभातेममं की विदेश की धरा पर कार्यरत शाखा मंडल काठमांडू संस्था की सभी योजनाओं को मूर्त रूप देने में उत्साह के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में तेरापंथ महिला मंडल काठमांडू द्वारा नागपोखरी में आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेंटर का निर्माण करवाया गया। आगाज हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से खोले गये इस प्रथम सेंटर का उद्घाटन राष्ट्रीय मारवाड़ी परिषद् के उपाध्यक्ष श्री रामावतार जी अग्रवाल तथा तेरापंथ महिला मंडल काठमांडू की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती नीता कोठारी के करकमलों द्वारा किया गया। श्रीमती शिल्पा बैद व श्रीमती प्रभा हीरावत के सुमधुर स्वरों 'प्रेरणा गीत' से इस कार्यक्रम का प्रारम्भ किया। कार्यक्रम में उपस्थित डॉ. आमीर न्योपानी ने सेंटर संबंधी जानकारी सभी को देते हुए कहा कि तेममं द्वारा प्रारंभ किया गया मानव सेवा का यह कार्य उल्लेखनीय है। नेपाल की धरती पर संचालित किये जाने वाले इस सेंटर की परिकल्पना में काठमांडू महिला मंडल की कर्मठ अध्यक्ष श्रीमती रश्मि बैगवानी का श्रम सराहनीय रहा। तेरापंथ सभा के उपाध्यक्ष श्रीमान श्रीचंदजी बैंगवानी, तेयुप अध्यक्ष श्री प्रभात नाहटा, तेरापंथ अणुव्रत समिति अध्यक्ष श्री ज्योति बैंगानी, जैन निकेतन के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र हीरावत, जैन परिषद अध्यक्ष श्री फूलकुमार ललवानी, जैन महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती शिल्पी जैन आदि अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने इस कार्यक्रम में शिरकत की एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। संयोजिका श्रीमती बेला गिड़िया ने अपने दायित्व का बखूबी निर्वहन करते हुए सेंटर के सुचारू संचालन का बीड़ा उठाया। भूतपूर्व अध्यक्ष श्रीमती सुमन नाहटा व कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती कीर्ति बेगानी व हर्षा भंसाली का विशेष सहयोग रहा। उपाध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा दुगड़ ने सभी का आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम का सुव्यवस्थित संचालन श्रीमती समता भूतोड़िया ने किया।

आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्कल

कोलकता : राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा एवं महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया की उपस्थिति में Happy and Harmonious Family सेमिनार के आगाज के पश्चात् साउथ कोलकता महिला मंडल द्वारा एक ही दिन में दो कन्या सुरक्षा सर्किलों का उद्घाटन किया गया। साउथ कोलकता के नेचर पार्क एवं हेस्टिंगस क्षेत्र के लिमोनार्ड पार्क के भीड़ भरे प्रांगण में दो सर्किलों का निर्माण मंडल के लिए उपलब्धिपूर्ण कार्य रहा। काउंसलर सुष्मिता भट्टाचार्य एवं बिलकिश बेगम का इन सर्किलों के निर्माण में विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर कोलकता के राष्ट्रीय पदाधिकारियों के एवं साउथ कोलकता मंडल के अध्यक्ष श्रीमती पुखराज सेठिया तथा मंत्री श्रीमती वीणा श्यामसुखा आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मुंबई – तेरापंथ महिला मंडल मुंबई द्वारा एक माह में दो कन्या सुरक्षा स्तम्भ व सर्किल का नेरूल नवीं मुंबई क्षेत्र में भव्य उद्घाटन किया गया। जून माह में नेरूल क्षेत्र में बस डिपो के पास स्थित आचार्य महाश्रमण चौक पर कन्या सुरक्षा स्तम्भ का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा एवं महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया के द्वारा किया गया। नगर सेविका शिल्पा कांबले, पूर्व नगर सेवक सुरेश शेट्टी, मुंबई सभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र जी तातेड़, श्री अर्जुनजी सिंघवी व विशेष सहयोगी श्री विजय जी संचेती विशिष्ट अतिथि के तौर पर लोकार्पण समारोह में उपस्थित थे। मुंबई महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती जयश्री बडाला एवं श्रीमती श्वेता सुराणा ने अतिथियों का स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री ने बधाई प्रेषित की। राष्ट्रीय टीम से श्रीमती प्रेमलता सिसोदिया, श्रीमती निर्मला चंडालिया व भाग्यश्री कच्छारा की उपस्थिति रही। मुंबई की योजना प्रभारी श्रीमती चंदा कोठारी, नेरूल क्षेत्र संयोजिका श्रीमती हेमा बाफना एवं स्थानीय पदाधिकारियों के साथ नेरूल क्षेत्र से अच्छी संख्या में बहनों की उपस्थिति रही। मंचीय कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अनिता सिंयाल ने किया।

इसी क्रम में मुंबई महिला मंडल द्वारा जुलाई माह में नेरूल क्षेत्र के सेक्टर 6 में स्थित पंडित रामा भगत उद्यान में कन्या सुरक्षा सर्किल का निर्माण किया गया। इस सर्किल का लोकार्पण राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा एवं नवी मुंबई महानगर पालिका के महापौर श्री जयवंतजी सुथार के शुभ हाथों से हुआ। साथ ही नेरूल क्षेत्र द्वारा पार्क में दो बैंच भी लगवायी गयी। अनावरण समारोह में नगर सेवक श्री गिरीशजी म्हात्रे, नगर सेवक श्री सूरजजी पाटिल, शिक्षण सभापति श्री अर्जुनजी सिंघवी की विशेष उपस्थिति रही। अतिथियों ने मुंबई महिला मंडल को बधाई देते हुए समाजहित में और अधिक कार्य करते रहे व महिला सशक्तिकरण व संगठन की एकता की दिशा में और गतिमान होते रहे यह शुभकामना प्रेषित की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय टीम से श्रीमती कांता तातेड़ एवं श्रीमती निर्मला चंडालिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुंबई महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती जयश्री बडाला, मंत्री श्रीमती श्वेता सुराणा ने सभी का स्वागत किया एवं दोनों स्थानों पर स्तंभ व सर्किल निर्माण हेतु सहयोग के लिए श्री अर्जुनजी सिंघवी तथा श्री विजयजी संचेती के प्रति आभार ज्ञापित किया। समारोह में स्थानीय पदाधिकारियों के साथ नेरूल क्षेत्र की नवनिर्वाचित संयोजिका श्रीमती मनीषा चंडालिया, योजना प्रभारी चंदा कोठारी, श्रीमती हेमा बाफना के साथ निकटवर्ती क्षेत्रों की बहनों की अच्छी संख्या में उपस्थिति रही।

हनुमंतनगर (बैंगलुरू) – अ.भा.ते.म.मं. प्रधान ट्रस्टी सायरजी बैंगाणी एवं महामंत्री नीलम सेठिया द्वारा आचार्यश्री महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल का हनुमंतनगर में उदघाटन किया गया ! जैन विधि से पूजन करवाकर लोकार्पण कराया गया। बसवनगुड़ी के विधायक रवि सुब्रमण्या, कोर्पोरेटरद्वय श्रीमती श्यामला कुमार व संघाती वेंकटेश की उपस्थिति में आयोजित इस लोकार्पण कार्यक्रम में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल से श्रीमती वीणाजी बैद, शशिकलाजी नाहर, सरलाजी श्रीमाल व लताजी जैन आदि ने बतौर अतिथि उपस्थिति दर्ज करवाई। आगंतुकों का स्वागत हनुमंतनगर महिला मंडल की अध्यक्ष रेखाजी पोरवाद ने किया। इस मौके पर नीलमजी सेठिया ने कहा कि नारी जाति की सुरक्षा के कर्तव्य एवं दायित्व बोध कराने वाला बेंगलूरु का यह पहला सर्कल है। उन्होंने बताया कि पांच वर्ष पूर्व सूरत का पहला सर्कल निर्मित हुआ था तथा आज देशभर में कन्या सुरक्षा के 75 सर्कल बन चुके हैं। सायरजी बैंगानी ने हनुमंतनगर के इस सर्किल की सराहना की। इस अवसर पर विमलजी कटारिया, कमलजी तातेड़, गौतमचंदजी दक, प्रकाशजी बोल्या, शंकरलालजी बोहरा, प्रकाशचंदजी देरासरिया, गौतमजी खाब्या, महावीरचंदजी बोल्या, कमलेशजी झाबक, महावीरजी

देरासरिया सहित अनेक गणमाण्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन भावना कोठारी ने किया। हनुमंतनगर की निवर्तमान मंत्री व वर्तमान अध्यक्ष मंजूजी ढक ने सभी का आभार प्रदर्शित किया।

हैदराबाद : हैदराबाद महिला मंडल द्वारा बोलाराम स्थित गर्वमेंट स्कूल के प्रांगण में आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा स्तम्भ का निर्माण किया गया। उद्घाटनकर्ता अभातेममं महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया के हाथों से कन्या सुरक्षा स्तम्भ का उद्घाटन महामंत्रोच्चार के साथ किया गया उद्घाटन पूर्व स्कूल के बच्चों ने NCC की धुन पर परेड करते हुए व केसरिया परिधान पहने बहनों ने नीलम जी का स्तम्भ तक स्वागत किया। स्तम्भ के चारों ओर आकर्षक रंगोली ने सबका मन मोह लिया। तत्पश्चात् मंडल अध्यक्ष श्रीमती रीटा सुराणा ने सभी का स्वागत किया। प्रकाश बरडिया, श्रवण कोठारी, प्रिंसीपल सर, प्रभाजी ढुगड़ आदि ने शुभकामनाएं दी। प्रिंसीपल सर, स्कूल के टीचर ने महिला मंडल द्वारा समय समय पर प्राप्त सहयोग की उल्लेखना करते हुए भूरी-भूरी प्रशंसा की।

मैसूर - तेरापंथ महिला मंडल मैसूर द्वारा के.आर. होस्पिटल में स्थित Cheluvamba हॉस्पिटल के Mother Children Block में राष्टीय महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया द्वारा आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण पुलिस विभाग की ASP क्षमा मिश्राजी, मेडिकल कॉलेज के Dean & Doctor सी.पी. नजराजजी, डॉ. दक्षायणी एवं रा.का.स. श्रीमती सुधा नौलखा विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। सर्किल निर्माण में श्री उत्तमचंदजी भटेवरा परिवार का विशेष सहयोग रहा। मैसूर मंडल अध्यक्ष श्रीमती वनमाला नाहर ने अतिथियों का स्वागत किया। सुश्री नमिता गन्ना, मंत्री श्रीमती खामोश मेहर एवं श्रीमती सुधा नौलखा ने अतिथियों का परिचय दिया। सर्किल की डिजाईन जिसमें दो हाथों ने एक कन्या को उठा रखा है सभी का ध्यान आकर्षित किया। महामंत्री ने डिजाईन की विशेषता बताते हुए कहा कि यह प्रतीक बेटियों के प्रति जागरूक रह कर उन्हें ऊपर उठाने की प्रेरणा देता है। ASP क्षमा मिश्रा ने कहा कि नारी सुरक्षा के लिए कड़े कानून बनाये गये हैं। परन्तु समाज में और अधिक जागरूकता लाने की आवश्यकता है। समारोह में अन्य सभा संस्था के गणमान्य पदाधिकारियों की भी उपस्थिति रही। मंत्री खामोश मेहर ने कार्यक्रम का संचालन किया।

जयपुर (सी-स्कीम) : जयपुर सी-स्कीम महिला मंडल द्वारा अभातेममं महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया एवं कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में सर्वप्रथम मंडल द्वारा निर्मित 5 वें कन्या सुरक्षा स्तम्भ का उद्घाटन भानपुर कला गांव में राजकीय कन्या विद्यालय में किया गया। इसमें विशेष उपस्थिति रही गांधीवादी विचारक डॉ. एन.एस. सुब्बाराव जी की। स्वच्छ भारत अभियान के तहत इंसीनेटर मशीन भी भेंट की गई। मंडल अध्यक्ष श्रीमती सुशीला चौपड़ा एवं मंत्री श्रीमती कनक दुधोड़िया के साथ मंडल की बहनों के विशेष श्रम व जागरूकता से मंडल ने कुल 5 सर्किल एवं स्तम्भों का निर्माण किया।

जयपुर शहर - अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की विशिष्ट योजना कन्या सुरक्षा योजना के अंतर्गत आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल/स्तंभ के निर्माण कार्य के अन्तर्गत जयपुर शहर महिला मंडल द्वारा बाल सम्बल चंदवाजी स्कूल में कन्या सुरक्षा स्तंभ का निर्माण करवाया गया। इस स्तंभ का लोकार्पण राजस्थान गौरव श्रीमान पंचशील जैन द्वारा किया गया। अध्यक्ष श्रीमती मधु श्यामसुखा ने सभी का स्वागत करते हुए सभी को अभातेममं की इस योजना की विस्तृत जानकारी दी। स्कूल की एक छात्रा की सालभर की फीस भी मंडल द्वारा दी गई। मंत्री श्रीमती शंकुतला चौरड़िया ने सभी का आभार माना।

चेन्नई - तेरापंथ महिला मंडल चेन्नई द्वारा कन्या सुरक्षा सर्किल का उद्घाटन माधावरम में मुनि श्री ज्ञानेंद्र कुमार जी ठाणा- 3 मुनिश्री रमेश कुमार जी ठाणा 2, मुनि श्री जम्मु कुमार जी ठाणा-2 के सानिध्य में आचार्य महाश्रमण तेरापंथ जैन पब्लिक स्कूल के प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से हुआ तत्पश्चात अध्यक्ष श्रीमती कमला जी गेलडा ने आगन्तुक का स्वागत किया। सर्किल का उद्घाटन श्रीमती आशा देवी मांडोत ने किया। इस मौके पर सभी संस्थाओं के पदाधिकारी गण एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी उषा जी बोहरा की भी विशेष उपस्थिति रही। महिला मंडल तथा कन्यामण्डल की बहनो की अच्छी संख्या में उपस्तिथि रही। कार्यक्रम का संचालन मंत्री श्रीमती शान्ति दुधोडिया ने किया और धन्यवाद ज्ञापन सहमंत्री अलका खटेड ने दिया।

आमेट - अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल के तत्वाधान में आमेट महिला मण्ड़ल द्वारा आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्कल का लोकार्पण समारोह शासनश्री साध्वी श्री गुणमाला जी ठाणा-4 के सानिध्य में आयोजित किया

गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर कुम्भलगढ़ आमेट विधायक श्रीमान सुरेंद्र सिंह जी सा राठौड़, नगरपालिका चेयरमेन श्रीमति नर्बदादेवी बागवान, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्या E- media प्रभारी श्रीमती नीतू ओस्तवाल व मेवाड़ क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती नीना कावड़िया की उपस्तिथि रही। साध्वी श्री जी ने नमस्कार महामन्त्र के उच्चारण से कार्यक्रम की शुरुआत की व फरमाया कि यह सर्कल स्वयं ही एक प्रकाश स्तम्भ हैं, जो हर आते जाते राहगीर को कन्या सुरक्षा की प्रेरणा प्रदान करेगा। स्तम्भ का लोकार्पण मुख्य अतिथि व प्रायोजक श्रीमान लाभचंदजी, संदीप कुमारजी हिंगड़ द्वारा किया गया अतिथियों का स्वागत महिला मण्डल अध्यक्ष श्रीमती उमा हिरण ने किया। सभा अध्यक्ष श्री अरविंदजी भरसारिया, श्रीमती सज्जन मेहता ने अपने विचार प्रस्तुत किये। आभार ज्ञापन कोषाध्यक्ष श्रीमती संगीता पामेचा ने किया। मंच संचालन श्रीमती मनीषा छाजेड़ ने किया। कार्यक्रम में नगर के सभी गणमान्य नागरिकों की अच्छी उपस्थिति रही।

इंदौर – अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन व इंदौर तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में ग्राम माचला में कन्या सुरक्षा सर्कल का लोकार्पण हुआ। इस सर्कल का निर्माण ग्राम माचला के सरपंच श्री अनिल चन्दर व ग्रामवासियों के सौजन्य व सहयोग से हुआ हैं। निवर्तमान अध्यक्ष साधना कोठारी, निवर्तमान मंत्री अर्चना मेहता, नव मनोनीत अध्यक्ष श्रीमती सरोज सुराणा, मंत्री श्रद्धा बैद व सभा अध्यक्ष श्री प्रकाश कांठेड़ तथा युवक परिषद से श्री वरुण कोटीडिया ने नमस्कार महामंत्र, लोगस्स व मंगल पाठ के पश्चात सर्किल का लोकार्पण किया । यह इंदौर का वर्ष 2017-19 का तीसरा कन्या सुरक्षा सर्कल हैं। इंदौर में कुल 5 सुरक्षा सर्कलों का निर्माण हो चुका है। सरपंच श्री अनिल चन्दर ने इंदौर तेरापंथ महिला मंडल का आभार व्यक्त किया। संचालन साधना कोठारी ने किया व आभार मंत्री अर्चना मेहता ने किया।

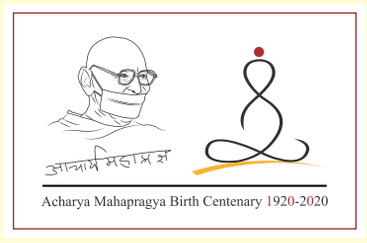

आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष

के शुभारंभ पर
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
द्वारा स्वीकृत ज्ञान-दर्शन-चारित्र

वार्षिक संकल्प आराधना

ज्ञानाराधना :–

- 5100 महिलाओं एवं कन्याओं को वर्ष भर में **संबोधि** आगम व **महात्मा महाप्रज्ञ** पुस्तक के स्वाध्याय से जोड़ना तथा **महाप्रज्ञ अष्टकम्** एवं **महाप्रज्ञ प्रबोध** कण्ठस्थ करना।

दर्शनाराधना :–

- सम्यक् दर्शन की विशुद्धि के लिए सतत् चिन्तन करना।
- ॐ णमो दंसणस्स की एक माला प्रतिदिन फेरना।
- वर्ष भर में कम से कम एक व्यक्ति को देव-गुरु-धर्म का स्वरूप समझाना (सुलभ बोधि बनाना)।

चारित्राराधना :–

- महीने में कम से कम 20 दिन रात्रि भोजन एवं जमीकंद का त्याग तथा रात्रि संवर करना।
- महीने में कम से कम एक रविवार को भोजन में नमक का प्रयोग नहीं करना।

राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा संगठन यात्रा

जगराओ – अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, पूर्व महामंत्री श्रीमती सुमन नाहटा एवं पंजाब प्रभारी श्रीमती उषा जैन द्वारा जगराओ मंडल की संगठन यात्रा की गयी। शासन श्री साध्वीश्री प्रशमरति जी ठाणा-5 के सान्निध्य में कार्यक्रम की शुरुआत, महिला मंडल के स्वागत गीत से हुई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए महिला मंडल की उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा गर्ग ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने अपने कार्यकाल में बहुत से नए कार्यक्रम दिए है। प्रत्येक कार्यक्रम एक नई सोच, नई कोशिश, नई उमंग और अनंत ऊर्जा से भरा हुआ है। श्रीमती सुमन नाहटा ने अपने विचारों की प्रस्तुति दी। महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति जी जैन ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने अपने अभिभाषण में महिला मंडल की बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें भीतर से सशक्त बनना है सिर्फ बाहर से नहीं। उन्होंने 4डी का महत्व बताते हुए कहा कि सही डायरेक्शन, डिसिप्लिन, डेडीकेशन, डेडलाइन पर चलकर ही हमें जीवन के सफर में आगे बढ़ना चाहिए। शासन श्री साध्वीश्री प्रशमरति जी ने कहा कि अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल संघ समर्पित संस्था है। गुरु इंगित और आकार को साकार करने का प्रयास करें। तभी हमारी संस्था विश्व के धरातल पर एक अलग पहचान बना कर उभर सकेगी। आभार ज्ञापन महिला मंडल मंत्री श्रीमती रजनी जैन उपाध्यक्ष श्रीमती संतोष जैन कोषाध्यक्ष श्रीमती अंजु जैन द्वारा किया गया। मंच संचालन उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा गर्ग द्वारा कुशलता पूर्वक किया गया।

मालेगाँव – अपने आराध्य आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में उनकी अभिवंदना, अभ्यर्थना हेतु Happy and Harmonious Family सेमिनार के आयोजन के क्रम में साक्री में तीसरे सफल सेमिनार के बाद शासन श्री साध्वी पदमावती जी मंगल पाठ श्रवण कर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, महाराष्ट्र प्रभारी श्रीमती निर्मला चंडालिया, श्रीमती जयश्री जोगड़ ने मालेगांव में विराजित साध्वीश्री राकेशकुमारजी आदि ठाणा-4 के दर्शन किये और साध्वीश्रीजी की मंगल सन्निधि में मालेगांव महिला मंडल की सार संभाल की।

नमस्कार महामंत्रोच्चार के साथ कार्यक्रम प्रारंम्भ हुआ। नवमनोनीत अध्यक्ष श्रीमती सुनीता भंडारी ने शब्द सुमनों से राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रभारी बहनों का भावभरा स्वागत किया और कहा कि क्षेत्र छोटा है इसलिए स्वयं का प्रस्तुतिकरण नहीं कर पा रहे हैं। आज राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन से हम बहनों में ऊर्जा का संचार हुआ है। साथ ही साथ आध्यात्मिक ऊर्जा से उर्जित करने वाली विदुषी साध्वी श्री राकेश कुमारीजी की पावन चातुर्मासिक सन्निधि मिली है, गुरुदेव की असीम अनुकंपा इस रूप में दिखाई दे रही है। महाराष्ट्र प्रभारी श्रीमती निर्मला चंडालिया ने बहनों को संस्था की गतिविधियों से अवगत कराया और किस तरह से मंडल का विकास करना है यह बताया। प्रभारी श्रीमती जयश्री जोगड़ ने कहा कि स्वयं को छोटा न समझें छोटे क्षेत्र की बहनें भी अपने उत्साह, उमंग, जुनून से हर कार्य में सिद्धश्री को प्राप्त कर सकती है। राष्टीय अध्यक्ष ने बहनों में नवजागृति को जागृत करते हुए कहा कि महाराष्ट्र की इस धरा पर शीघ्र ही तेरापंथ के राम का पदार्पण होने वाला है। बहनें अपने आराध्य के लिए आध्यात्मिकता की सुवास से सुवासित व्रतों के पुण्यों की माला बनाये। जैन विद्या, तत्वज्ञान, तेरापंथ दर्शन से जुड़े, बारह व्रती बने। युवती-बहनों को विशेष रूप से इस दिशा में आगे बढ़ना है। ज्ञान चेतना वर्ष में महाप्रज्ञ प्रबोध, महाप्रज्ञ अष्टकम सीखने का प्रयत्न करें, एवं स्वयं का विकास करें। साध्वीश्री राकेशकुमारीजी ने अपने मंगल उद्बोधन में फरमाया कि गुरुदेव की असीम कृपा से मालेगाँव वासियों को चातुर्मास मिला है और आज अनायास ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का आगमन भी हुआ दोनों का संयोग और प्रकृति की वर्षा के रूप में प्रसन्नता व्यक्त करना आप बहनों के लिए शुभ संकेत है। जीवन में

आगे बढ़ने के लिए सम्यकत्व को पुष्ट करना जरूरी है। इसके लिए स्वाध्याय करे एवं स्वयं का विकास करें। महिला मंडल के कार्यक्रमों के संदर्भ में आपने फरमाया कि आपका राष्ट्रीय नेतृत्व अपने समय व श्रम का नियोजन सब बहनों के विकास के लिए कार्य कर रहा है तो शाखा मंडलों का दायित्व बनता है कि नारीलोक में निर्देशित कार्यों को प्रमाणिकता के साथ संपादित करें एवं मंडल का विकास करें। कार्यक्रम में स्थानीय सभा व तेयुप की उपस्थिति भी रही। आभार ज्ञापन मंत्री श्रीमती राजल कांकरिया ने किया।

इचलकरंजी – अभातेममं अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा पश्चिम महाराष्ट्र की यात्रा के दौरान महाराष्ट्र प्रभारी श्रीमती निर्मला चंडालिया व श्रीमती जयश्री जोगड़ ने साथ इचलकरंजी शाखा मंडल की संगठन यात्रा हेतु पहुँची। इस अवसर पर आयोजित समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने बहिनों को संबोधित करते हुए कहा कि – संघ संगठन के प्रति समर्पण व निष्ठा के भाव होते हैं तभी हम गुरुओं के अवदानों को जन–जन तक पहुँचाने एवं संगठन के उद्देश्यों की प्राप्ति की दिशा में आगे बढ़ पाते हैं। उन्होंने लक्ष्य निर्धारण एवं उसकी प्राप्ति हेतु 5 D - Direction, Dedication, Determination, Devotison, Discipline के सुंदर सूत्र बताएं। पूज्य प्रवर के आगामी पश्चिम महाराष्ट्र प्रवास की पृष्ठभूमि की चर्चा करते हुए कहा कि पूज्यप्रवर का स्वागत हम आध्यात्मिक भेंट से करें। इसलिए उन्होंने बहिनों को बारह व्रती बनने व उपासक श्रेणी से जुड़ने की प्रेरणा दी एवं जो बहिनें तत्व प्रचेता व तेरापंथ प्रचेता बन चुकी है उन्हें जैन स्कॉलर बनने हेतु आह्वान किया। उन्होंने उपस्थित कन्याओं को कन्या मंडल अधिवेशन में सहभागिता करने हेतु प्रेरित किया साथ ही उन्होंने आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर अभातेममं द्वारा 100 Happy and Harmonious Family सेमिनारों की योजना के बारे में भी जानकारी दी। महाराष्ट्र प्रभारी श्रीमती निर्मला चंडालिया ने इचलकरंजी शाखा मंडल के कार्यों की सराहना की। अभातेममं महाराष्ट्र प्रभारी श्रीमती जयश्री जोगड़ ने अपने गृह क्षेत्र में आगमन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष का काव्याभिव्यक्ति द्वारा स्वागत किया। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र उच्चारण के साथ हुआ। तेममं इचलकरंजी की बहिनों ने स्वागत गीतिका प्रस्तुत की। तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती सीमा डागा ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया। उपाध्यक्ष श्रीमती शिल्पा बाफना ने इचलकरंजी शाखा मंडल के द्वारा संपादित कार्यों की अवगति दी। स्थानीय तेरापंथ सभा अध्यक्ष श्री दीपचंद तलेसरा अभातेयुप सदस्य श्री संजय बैदमोहता, तेयुप उपाध्यक्ष प्रवीण कांकरिया आदि ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंडल मंत्री श्रीमती सपना बालड़ एवं आभार ज्ञापन सहमंत्री श्रीमती संगीता पटवारी ने किया।

शिलांग – अभातेममं की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा व महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया का आगमन शिलांग क्षेत्र में हुआ। पदाधिकारियों के स्वागत व अभिनंदन हेतु कार्यक्रम का आयोजन शिलांग महिला मंडल द्वारा किया गया। बहनों के प्रेरणा गीत के संगान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की सहमंत्री श्रीमती रंजु जी लुणिया ने सम्मानित मंच से बहनों का परिचय कराया। श्रीमती ममता सुराणा ने मंडल की गतिविधियों के विषय में बताया। तेरापंथ सभा अध्यक्ष श्री हेमराज सुराणा, जैन विश्व भारती के चीफ ट्रस्टी श्री मनोज लुणिया, तेयुप सदस्य श्री विकास सुराणा ने स्वागत व अभिनंदन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने बहनों को संस्था की योजनाओं की जानकारी देते हुए आचार्य महाप्रज्ञ शताब्दी वर्ष में विशेष आध्यात्मिक गतिविधियों से जुड़ने की प्रेरणा दी। मंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने अपने सुन्दर व सरल वक्तव्य के द्वारा बहनों से अधिक से अधिक मंडल की गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया। मंच का सुन्दर संचालन कोमल बोथरा ने व आभार ज्ञापन वंदना बोथरा ने किया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता अगस्त 2019

सन्दर्भ ग्रंथ : महाप्रज्ञ प्रबोध – 131 से 140 पद्य अर्थ सहित
तेरापंथ का इतिहास पृष्ठ 447 से 476 तक
(धींगों के महाराज से चिन्तन सातत्य तक)

अ. रिक्त स्थान की पूर्ति करें :-

1. ..... चाहे कितनी भी अच्छी क्यों न हो छाप लगने से पहले ..... नहीं बन सकती।
2. जयाचार्य भक्तों के प्रति अत्यन्त ..... थे।
3. श्री धारसी भाई कुशलचंद संघवीजी राजकोट में..... थे।
4. ..... और ..... जीवन के दो पहलू हैं।
5. ..... मघवागणी की वि.स. 1943 की रचना है।
6. भगवती सूत्र में ..... के पांच भेद बतलाए हैं।
7. बलेवड़ा का अर्थ .....।
8. ..... की अवहेलना उनकी दृष्टि में सबसे बड़ा..... था।
9. परिष्ठापन को आचार्य तुलसी ने ..... नाम प्रदान किया।
10. आचार्य श्री महाप्रज्ञ ..... आत्मचेता थे।

ब. मैं कौन हूँ ? (मेरा परिचय दीजिए) :-

1. मैं उदयपुर महाराणा का बड़ा विश्वसनीय व्यक्ति हूँ।
2. मेरे द्वारा आचार्य महाप्रज्ञ को महात्मा की उपाधि दी गई।
3. मैं महाराणा भीमसिंह जी का पुत्र हूँ।
4. थली में तेरापंथ को लाने वाले चार श्रावकों में मैं एक हूँ।
5. भारत के सुप्रसिद्ध तत्व चिंतक और अध्यात्म योगी।
6. मैंने तेरापंथ धर्मसंघ की व्यवस्था को सुनियोजित ढंग से चलाने के लिए इसका निर्माण किया।
7. मैं जैन श्वेताम्बर सम्प्रदाय नो इतिहास का लेखक हूँ।

स. तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम का गठन विधिवत कब हुआ व क्यों हुआ ?

द. स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ अर्थ व्यवस्था का सूत्रपात क्यों हुआ ?

नोट : उत्तर पुस्तिका पर अपना नाम पता एवं फोन नं. अवश्य लिखें।
उत्तर महिने की 25 तारीख तक श्रीमती रमन पटावरी के पते पर अवश्य पहुँच जाए।
उत्तर फुल साइज पेज पर हाशिया छोड़ते हुए शुद्ध एवं साफ लिखें।
प्रश्न का उत्तर जितना पूछा जाए उतना ही दें।

श्रीमती रमन पटावरी
SILVER SPRING,
JBS 5 HALDEN AVENUE,
BLOCK - 1, 17-C, KOLKATA - 700105
मोबाईल : 9903518222 / 033-40620395
ई-मेल : raman.patawari@gmail.com

जून माह के प्रश्नों के उत्तर

अ.

1. जयाचार्य ने महासती सरदारांजी से
2. गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी ने चाड़वास के श्रावकों से
3. आचार्य महाप्रज्ञ ने गुरुदेव तुलसी से
4. मुनि छोगजी ने जयाचार्य से
5. युवाचार्य महाश्रमण ने परिषद से

ब.

1. समीक्षा, चिंतन	2. मर्यादा पत्र	3. बड़े छोगजी
4. लेखपत्र	5. जयाचार्य	6. खाचरोध
7. तादात्म्य	8. द फेमिली एण्ड द नेशन	9. 174
10. कष्ट सहिष्णुता व सत्यपरायणता	11. माघ महोत्सव	12. पहले की
13. हाजरी	14. चातुर्मासों की घोषणा	15. प्रगति स्त्रष्टा

स.

1. स्वामीजी द्वारा जो मर्यादाएं बनाई गई उनको जयाचार्य विभिन्न वर्गों में संकलित कर दिया। स्वामीजी की मर्यादा के उस वर्गीकरण का नाम जयाचार्य ने गण विशुद्धिकरण हाजरी दिया।

जुलाई माह के प्रश्नों के उत्तर

अ.

1. पतवार	6. सामुहिक विद्धान
2. सोलह कि.मी.	7. मध्य
3. जयाचार्य	8. सबसे बड़ा आगम
4. लघु व्याख्या	9. मुनि सतिदास जी
5. बड़े छोगजी	10. छोटे छोगजी की माता

ब. संक्षिप्त उत्तर :-

1. श्री लालकृष्ण आडवानी
2. Foundation for Unity of Religious and Enlightenal Citizenship
3. वि.स. 1877 में बसन्त पंचमी के दिन, मुनि हेमराजजी
4. सरदार सती का
5. गुरुजनों की स्तुति उनके सम्मुख करनी चाहिए और मित्र, बन्धु तथा शिष्य आदि की परोक्ष में।
6. इस पंचमकाल में 55 करोड़, 55 लाख, 55 हजार, 555 आचार्य नरकगामी बनेंगे।
7. समणियों का शतक हो।
8. सरदारशहर की उलझी हुई धार्मिक स्थिति की
9. ऑफ सिटी नगर की चाबी
10. आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी के जन्म दिवस को

स.

1. जीवन की पुस्तक में	5. तपस्विनी
2. 300	6. चन्द्र प्रज्ञप्ति, सूर्य प्रज्ञप्ति
3. मुनि कालूजी	7. फलोदी
4. अहिंसा और शांति	

कन्या सुरक्षा योजना के अंतर्गत बैंचों का निर्माण

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा कन्या सुरक्षा योजना के अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों पर कन्या सुरक्षा के संदेश प्रचारित करती हुई बैंचों का निर्माण करने हेतु सभी शाखा मंडलों को आह्वान किया गया था। निम्न शाखा मंडलों ने जागरूकता का परिचय देते हुए इस कार्य को संपादित किया। सभी को साधुवाद और बधाई।

जयपुर सी-स्कीम	–	71	इंदौर	–	6	गुलाबबाग	– 3
जयपुर शहर	–	55	मुंबई	–	4	पाली	– 2
कोलकाता	–	50	राजसमंद	–	4	चित्तौड़गढ़	– 2
गुवाहाटी	–	21	कांकरोली	–	4	**पुरानी बैंचों पर संदेश**	
कोयम्बतूर	–	14	मैसूर	–	4	मुंबई	– 171
विजयनगरम	–	7	हैदराबाद	–	4	राजसमंद	– 6

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को मिलने वाला अनुदान

2,00,000	श्रीमती प्रभा जसराजजी मालू (सरदारशहर-दिल्ली) द्वारा भावना सेवा हेतु।
51,000	सी-स्कीम महिला मंडल द्वारा सप्रेम भेंट।
51,000	श्रीमती पुष्पाजी नरपत सिंहजी बैद (लाडनूं-जयपुर) द्वारा नारीलोक प्रश्नोत्तरी उपहार हेतु सप्रेम भेंट।
13,000	श्रीमती सरिता पूनमचन्दजी धाड़ीवाल (बेलडांगा) द्वारा विवाह की 25वीं वर्षगांठ पर सप्रेम भेंट।
11,000	नोएडा महिला मंडल के रजत जयंती समारोह के उपलक्ष में अध्यक्ष श्रीमती भारती दुगड़ द्वारा सप्रेम भेंट।
11,000	उत्तरपाडा महिला मंडल द्वारा भावना सेवा हेतु।
11,000	गुप्त अनुदान भावना सेवा हेतु।
11,000	इचलकरंजी महिला मंडल द्वारा भावना सेवा हेतु।
11,000	जयसिंगपुर महिला मंडल द्वारा भावना सेवा हेतु।
11,000	लुधियाना महिला मंडल द्वारा भावना सेवा हेतु।
11,000	डॉ. संगीता मुकुंदचंदजी गटागट (लातूर) द्वारा 50वें जन्मदिवस पर सप्रेम भेंट।
11,000	श्रीमती कमलादेवी रायचंदजी भंसाली (जयपुर-बैंगलुरु) द्वारा भावना सेवा हेतु।
5,100	नाभा महिला मंडल द्वारा भावना सेवा हेतु।
5,100	अमलोह महिला मंडल द्वारा भावना सेवा हेतु।
5,100	मंडी गोविंदगढ़ महिला मंडल द्वारा भावना सेवा हेतु।

अप्रैल माह का संशोधन - साउथ कोलकाता महिला मंडल की राशि 51,000/- रू. के स्थान पर 20,000/- पढे।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

महामंत्री कार्यालय : श्रीमती नीलम सेठिया - 28/1, शिवाया नगर, 4th Cross, रेड्डीयुर, सेलम-636004, तमिलनाडु
मो. : 099524 26060 ईमेल neelamsethia@gmail.com

कोषाध्यक्ष कार्यालय : श्रीमती सरिता डागा - 45, जेम एनक्लेव, प्रधान मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर - 302 017
मो. : 094133 39841 ईमेल sarita.daga21@gmail.com

नारीलोक हेतु सम्पर्क करें : श्रीमती सौभाग बैद मो. : 080031 31111 श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा मो. : 096199 27369
नारीलोक देखें website : www.abtmm.org

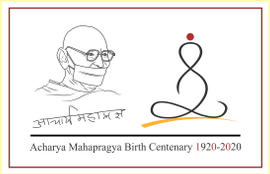

ज्ञान चेतना करे प्रकाश - संयम में जागे विश्वास

आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में

परम पूज्य आचार्य महाश्रमण द्वारा रचित गीत

सुगुरु को वन्दन शत्-शत् वार।
महाप्रज्ञ गुरु जन्म शताब्दी वर्ष महासुखकार।

जिनशासन की पावन सेवा जैनागम सम्पादन।
सूत्रात्मक सिद्धांतों का निज प्रज्ञा से प्रतिपादन।
श्रुतसागर अवगाहक प्रभुवर मंगल प्रवचनकार।।1।।

जैन योग पुनरुद्धारक तुलसी प्रभु ने फरमाया।
प्रेक्षाध्यान प्रयोगों से अध्यात्म जगत विकसाया।
आत्मा का आत्मा से दर्शन सुख का पारावार।।2।।

वर जीवन विज्ञान बने विद्यार्थीगण का भूषण।
अनुकम्पा-सौरभ से सुरभित हो मानस का कण-कण।
स्वर्गतुल्य बन जाए धरती जागे शुभ संस्कार।।3।।

साहित्यिक संरचना से पाठक को पथ दिखलाया।
शब्दशक्ति से शब्दपार चैतन्यजगत बतलाया।
बौद्धिकता की शान बढ़ाई भर वाङ्मय भण्डार।।4।।

ज्ञान चेतना वर्ष मनाएं करे उजाला भीतर।
संयम में विश्वास जगाकर कार्य करें सब सुन्दर
महाश्रमण आचार्यप्रवर की मुख-मुख जय-जयकार।।5।।

लय - जवाहरलाल बनेंगे हम...